शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 198 | गुवाहाटी | मंगलवार, 18 फरवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत-चीन सीमा विवाद को बढ़ा चढ़ाकर पेश किया गया : सैम पित्रोदा — पेज 2
हार का इतिहास बनाने वाले भूपेन बोरा के बयानों से भाजपा का सिर चकराने ... — पेज 3
कांग्रेस मुक्त राजस्थान की शुरुआत जोधपुर से : मंत्री गहलोत — पेज 5
दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में पिछली हार का हिसाब बराबर कर पाएगी भारतीय टीम — पेज 7

कोकराझाड़ में ऐतिहासिक असम विस सत्र आयोजित, राज्यपाल ने दिया अभिभाषण

कोकराझाड़ (एजे./हि.स.)। परंपरा से हटकर असम विधानसभा ने सोमवार को इतिहास में पहली बार राज्य की राजधानी के बाहर सत्र बुलाया। असम विधानसभा का ऐतिहासिक बजट सत्र कोकराझाड़ में बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) विधानसभा में शुरू हुआ, जिसमें असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने राज्य के विकास रोडमैप को रेखांकित किया और अपने अभिभाषण में प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। सत्र के पहले दिन उन्होंने 79 पेज का अपना अभिभाषण 12.04 मिनट पर आरंभ किया और समापन 12.29 मिनट पर किया। राज्यपाल ने अपने संबोधन में राज्य सरकार की अब तक की उपलब्धियों और आने वाले समय में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। राज्य की आर्थिक विकास दर, एडवांटेज असम 2.0, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाई, यूरिया प्लांट, चाय, स्टार्टअप समेत अन्य नवाचारों पर प्रकाश डाला। सदन में राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान विपक्ष ने कोई टोका-टोकी नहीं हुई। सिर्फ राइजर दल के एकमात्र विधायक अखिल गोगोई ने राज्य के आर्थिक विकास के आंकड़ों और बीटीआर शांति समझौता को लेकर अपनी आपत्ति दर्ज कराने की कोशिश की, तो विधानसभा अध्यक्ष बिश्वजीत दैमारी ने अखिल को यह कहते हुए टोक दिया कि यह चर्चा का समय नहीं है। उन्होंने अखिल को आसन पर बैठने का निर्देश दिया। राज्यपाल के अभिभाषण के बाद सदन की कार्यवाही लगभग डेढ़ घंटे के लिए स्थगित कर दिया। असम विधानसभा का बजट सत्र आज से आरंभ होकर 25 मार्च तक चलेगा। उधर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि कोकराझाड़ में ऐतिहासिक असम विधानसभा सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण ने *विकास भी, विरासत भी* के दर्शन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। भाषण में हमारी सरकार के विकास रोडमैप को रेखांकित किया गया और प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया, जो सभी हमारे जन-केंद्रित शासन दृष्टिकोण से प्रेरित हैं। कोकराझाड़ में ऐतिहासिक विधानसभा सत्र के बाद मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 1985 के बाद बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद क्षेत्र में असम के भौगोलिक और राजनीतिक विभाजन की मांग को लेकर हिंसक आंदोलन हुआ था। इस आंदोलन में हजारों लोगों की जान चली गई थी। इसके बाद बोड़ो और असमिया समुदाय के बीच संवाद और चर्चाएं ठप हो गई थीं। हालांकि, 2019 के बाद प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री के नेतृत्व और बोड़ो नेतृत्व द्वारा दिखाई गई परिपक्वता के कारण आज बोड़ोलैंड एकता का प्रतीक बन गया है। बीटीआर में असम विधानसभा का सत्र -शेष पृष्ठ दो पर

असम बजट का पहला दिन

सत्र में हावी रही छठी अनुसूची के वित्तपोषण पर चर्चा

कोकराझाड़। 15वीं असम विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन छठी अनुसूची के क्षेत्रों का विकास मुख्य मुद्दा रहा। सरकार और विपक्ष दोनों के विधायकों ने अपने-अपने प्रासंगिक मुद्दे उठाए, जिसके परिणामस्वरूप सोमवार को घंटों तक व्यापक चर्चा हुई। चर्चा का एक महत्वपूर्ण क्षण मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और रायजोर दल के प्रमुख अखिल गोगोई के बीच आया, जब गोगोई ने 2025 में -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य सरकार ने कोकराझाड़ की ग्रामीण सड़कों के लिए 27 करोड़ रुपए आवंटित किए

कोकराझाड़। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार, 17 फरवरी को राज्य के कोकराझाड़ जिले में ग्रामीण सड़क विकास के लिए 027 करोड़ के आवंटन की घोषणा की। यह घोषणा भारत-भूटान अंतर्राष्ट्रीय सीमा की उनकी यात्रा के दौरान की गई, जहां उन्होंने कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा की। बीटीआर (बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र) सरकार ने इस पर एक अपडेट साझा करने

के लिए एक्स से कहा कि यह महत्वपूर्ण समर्थन कनेक्टिविटी बढ़ाने, बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने और ग्रामीण आजीविका में सुधार करने में असम सरकार और बीटीआर -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

सपने पूरे हों, इसके लिए पहले उन्हें देखना जरूरी होता है।
- अब्दुल कलाम

ब्रिटिश पत्नी के आईएसआई लिंक पर कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई बोले -

कोई भी जांच करा सकती है असम सरकार

गुवाहाटी। असम में कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के आईएसआई के साथ कथित संबंधों को लेकर उठा विवाद लगातार बना हुआ है। सत्तारुढ़ भाजपा और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप जारी हैं। विवाद के बीच गोगोई ने सीएम

हिमंत विश्व शर्मा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि शर्मा और भाजपा अगले साल चुनाव में हार के डर से ध्यान भटकाने की रणनीति अपना रहे हैं। साथ ही राज्य सरकार किसी भी तरह की जांच करा सकती है। गुवाहाटी में कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद गौरव गोगोई ने आज सोमवार को कहा कि असम की भाजपा सरकार उनकी पत्नी के कथित आईएसआई संबंधों के मुद्दे पर कोई भी जांच कर सकती है, लेकिन वह और उनकी पार्टी जानते हैं कि उनका रुख क्या है। गोगोई ने कहा कि उन्होंने इस संबंध में भाजपा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए कांग्रेस पार्टी के साथ चर्चा की है और जल्द ही कदम उठाए जाएंगे। गौरव गोगोई ने असम के मुख्यमंत्री शर्मा की ओर से अपनी पत्नी पर लगाए गए आरोपों पर कहा कि कल संवाद के दौरान असम के सभी लोगों ने मुख्यमंत्री के चेहरे को देखा। -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम हिमंत विश्व शर्मा का बड़ा एक्शन

पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

नई दिल्ली। असम में पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस महानिदेशक को बीते दिनों इस संदर्भ में निर्देश दिया गया था, जिसके बाद पुलिस ने अली तौकीर शेख पर प्राथमिकी दर्ज की है। पिछले दिनों कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की पत्नी के आईएसआई के साथ संबंध को लेकर काफी हो-हंगामा हुआ था। लेकिन असम मंत्रिमंडल ने उनके खिलाफ कोई भी मामला दर्ज नहीं करने का फैसला किया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा

कि कल लिए गए कैबिनेट के फैसले के तहत असम पुलिस ने अली तौकीर शेख और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। उधर पुलिस मुख्यालय ने भी बताया है कि पाकिस्तानी नागरिक नेता अली तौकीर शेख के खिलाफ सीआईडी पीएस में यू/एस 48/152/61/197(1) बीएनएस, 2023 आरडब्ल्यू धारा 13(1) यूए(पी) अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। इससे पहले मंत्रिमंडल की बैठक के बाद सीएम ने कहा था कि राज्य सरकार गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

1 अप्रैल से मप्र में शराब की दुकानें होगी बंद!

भोपाल। मध्य प्रदेश में आगामी 1 अप्रैल से नई आबकारी नीति लागू होने जा रही है, जिसके तहत राज्य में पहली बार *लो-अल्कोहलिक बेवरेज बार* खोले जाएंगे। वहीं, 17 पवित्र शहरों सहित 19 स्थानों पर शराब की बिक्री पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दी जाएगी। एक सरकारी अधिकारी ने -शेष पृष्ठ दो पर

20 को होगा नए सीएम का शपथ ग्रहण, भाजपा ने बनाया भव्य समारोह की योजना : सूत्र

नई दिल्ली। सोमवार को सूत्रों ने बताया कि दिल्ली के नए मुख्यमंत्री के 20 फरवरी को ऐतिहासिक मैदान रामलीला मैदान में शपथ लेने की संभावना है। साथ ही, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राष्ट्रीय राजधानी में 27 साल के लंबे सूखे के खत्म होने के उपलक्ष्य में ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाने के लिए भव्य समारोह की योजना बना रही है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक 19 फरवरी को दिल्ली में दिल्ली के नए मुख्यमंत्री का चयन करने के लिए बैठक कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि भाजपा का राष्ट्रीय नेतृत्व विधायक दल की बैठक के लिए अपने पर्यवेक्षक भेजेगा, जिसमें दिल्ली -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी की अध्यक्षता में नए मुख्य चुनाव आयुक्त पर मंथन

कांग्रेस ने कहा- एससी के फैसले तक रोकें चयन

नई दिल्ली। देश के नए मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर आज पीएम मोदी की अध्यक्षता में बैठक हुई है। जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कांग्रेस नेता व लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी शामिल हुए हैं। बता दें कि मौजूदा मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार का कार्यकाल कल (18 फरवरी) को खत्म हो रहा है। वहीं उम्मीद की जा रही है कि सीईसी राजीव कुमार के बाद सबसे वरिष्ठ चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को अगला मुख्य चुनाव आयुक्त बनाया जा सकता है। अब तक सबसे वरिष्ठ चुनाव आयुक्त को ही मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में पदोन्नत किया जाता था। हालांकि पिछले साल मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त की नियुक्तियों पर एक नया कानून लागू हुआ। इसके तहत एक -शेष पृष्ठ दो पर

ममता होंगी आई.एन.डी.आई.ए ब्लॉक की नई अध्यक्ष : कीर्ति आजाद

कोलकाता। कांग्रेस पार्टी की हार के बाद, विशेषकर लोकसभा और कई राज्यों के विधानसभा चुनावों में, विपक्षी गठबंधन आई.एन.डी.आई.ए में नेतृत्व को लेकर नए सवाल उठने लगे हैं। इस बीच तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद कीर्ति आजाद ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी, जिन्हें दीदी के नाम से भी जाना जाता है, जल्द ही आई.एन.डी.आई.ए ब्लॉक की अध्यक्ष बन सकती हैं। कीर्ति आजाद का यह बयान गठबंधन में नेतृत्व के मुद्दे पर नई बहस को जन्म दे सकता है। कीर्ति आजाद ने -शेष पृष्ठ दो पर

ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध वार्ता से यूरोप को किया बाहर! ईयू नेताओं ने बुलाई इमरजेंसी बैठक

वाशिंगटन। यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए रूस के साथ होने वाली वार्ता में यूरोपीय देशों को बाहर किए जाने के बाद यूरोपीय नेताओं ने सोमवार को पेरिस में एक इमरजेंसी बैठक बुलाई है। यह बैठक यूरोपीय देशों की स्थिति को समन्वित करने और क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के कार्यालय ने रविवार को बताया कि यह बैठक *यूक्रेन की स्थिति और यूरोप की सुरक्षा* पर ध्यान केंद्रित करेगी और इसमें शांति और सुरक्षा में रुचि रखने वाले सभी साझेदारों को एकजुट किया जाएगा।यह वार्ता तब हो रही है जब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो सऊदी अरब में रूस के अधिकारियों से मिलेंगे, लेकिन इसमें यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को शामिल नहीं किया गया है। जेलेंस्की इस समय यूएई में हैं और वहां यूक्रेन के लिए मानवीय सहायता बढ़ाने के प्रयास कर रहे हैं। जेलेंस्की ने सोमवार को दो टूक शब्दों में कहा कि उनका देश युद्ध समाप्त करने के उद्देश्य से इस सप्ताह होने वाली -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान की शर्मनाक हरकत

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारतीय झंडे को हटाया

इस्लामाबाद। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की शुरुआत 19 फरवरी से हो रही है, जिसमें पहले मैच में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड का सामना कराची के नेशनल स्टेडियम में होगा। यह टूर्नामेंट पाकिस्तान के लिए खास है क्योंकि 1996 के विश्व कप के बाद पहली बार पाकिस्तान किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। हालांकि चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत से पहले ही पाकिस्तान से जुड़ी एक गंभीर विवादास्पद घटना सामने आई है। चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत से पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में कराची के नेशनल

स्टेडियम का दृश्य दिखाया गया है, जिसमें टूर्नामेंट में भाग लेने वाले देशों के झंडे लगाए गए थे। लेकिन यह देखकर हैरानी हुई कि भारतीय झंडा वहां से गायब था। इस वीडियो के सामने आने के बाद से ही सोशल मीडिया पर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है और फैंस इस पर सवाल उठाने लगे हैं। इस घटना के पीछे का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन माना जा रहा है कि भारतीय टीम अपने सारे मैच दुबई में खेलेगी, इसलिए पाकिस्तान में भारतीय झंडा नहीं लगाया गया। हालांकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की ओर से इस मुद्दे -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भारत-चीन सीमा विवाद को *बढ़ा-चढ़ाकर* पेश किया गया : सैम पित्रोदा

नई दिल्ली। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने कहा कि भारत-चीन सीमा विवाद को *बढ़ा-चढ़ाकर* पेश किया गया है, क्योंकि अमेरिका को *दुश्मन को परिभाषित करने की आदत है*।पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वाशिंगटन यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस मुद्दे पर मध्यस्थता करने की पेशकश के जवाब में उनकी टिप्पणी की सोमवार को भाजपा ने निंदा की। हालांकि नई दिल्ली ने ट्रंप की मध्यस्थता की पेशकश को अस्वीकार कर दिया। एक समाचार एजेंसी से बात करते हुए, वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि मैं चीन से खतरे को नहीं समझता। मुझे लगता है कि इस मुद्दे को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है, क्योंकि अमेरिका को दुश्मन को परिभाषित करने की आदत है। मेरा मानना है कि अब समय आ गया है कि सभी देश आपस में सहयोग करें, न कि टकराव करें। पित्रोदा ने सीमा मुद्दे पर भारत के दृष्टिकोण की भी निंदा की, उन्होंने कहा कि यह शुरू से ही टकराव वाला रहा है, उन्होंने कहा कि इस तरह का रवैया दुश्मन पैदा करता है। उन्होंने कहा कि हमें इस पैटर्न को बदलने की जरूरत है। यह मान लेना कि चीन दुश्मन है, उचित नहीं है। सिर्फ चीन के लिए ही नहीं, बल्कि सभी के लिए। अब समय आ गया है कि हम संवाद बढ़ाना सीखें। सिर्फ कमान और नियंत्रण ही नहीं, बल्कि सहयोग करें, सहयोग करें और सह-निर्माण करें। 13 फरवरी को व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री मोदी के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप से पूछा गया कि भारत और अमेरिका के बीच संबंध चीन का मुकाबला कैसे करेंगे। जवाब में उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि चीन के साथ हमारे संबंध बहुत अच्छे होने जा रहे हैं। चीन दुनिया में एक बहुत महत्वपूर्ण खिलाड़ी है। मुझे लगता है कि वे यूक्रेन और रूस के साथ इस युद्ध को खत्म करने में हमारी मदद कर सकते हैं। ट्रम्प ने जोर दिया और मैं भारत को देखता हूं, मैं सीमा पर झड़पों को देखता हूं, जो काफी क्रूर हैं, और मुझे लगता है कि वे जारी रहेंगी। अगर मैं मदद कर सकता हूं, तो मैं मदद करना चाहूंगा, क्योंकि इसे रोका जाना चाहिए। यह लंबे समय से चल रहा है, और यह काफी हिंसक है। लेकिन मुझे उम्मीद है कि चीन और भारत और रूस और अमेरिका और हम सभी साथ मिल कर काम कर सकते हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण है। ट्रम्प की पेशकश पर प्रतिक्रिया देते हुए, विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने दोहराया कि भारत ने चीन के साथ विवादों सहित अपने विवादों को संभालने में द्विपक्षीय दृष्टिकोण बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि हमारे किसी भी पड़ोसी के साथ हमारे जो भी मुद्दे हैं, हमने इन मुद्दों से निपटने के लिए हमेशा द्विपक्षीय दृष्टिकोण अपनाया है। भारत और चीन के बीच भी यह अलग नहीं है।

कांग्रेस ने किया किनारा, जयराम बोले- यह पार्टी के विचार नहीं

नई दिल्ली। अक्सर विवादों में रहने वाले भारतीय ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा एक बार फिर से विवादित बयान दिया है। जिसे लेकर देश में राजनीति तेज हो गई है। वहीं भाजपा के हमले के बाद कांग्रेस पार्टी ने खुद को सैम पित्रोदा के बयान अलग कर लिया है। इस मामले में कांग्रेस नेता और महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि सैम पित्रोदा का बयान पार्टी के विचार नहीं हैं। मामले में जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि सैम पित्रोदा की तरफ से चीन पर व्यक्त किए गए विचार निश्चित रूप से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विचार नहीं हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में आगे लिखा कि चीन हमारी सबसे बड़ी विदेश नीति, बाहरी सुरक्षा और साथ ही आर्थिक चुनौती बना हुआ है। कांग्रेस ने चीन के प्रति मोदी सरकार के दृष्टिकोण पर बार-बार सवाल उठाए हैं, जिसमें 19 जून, 2020 को प्रधानमंत्री द्वारा चीन को सार्वजनिक रूप से क्लीन चिट देना भी शामिल है। चीन पर हमारा सबसे हालिया बयान 28 जनवरी, 2025 को था। यह भी बेहद खेदजनक है कि संसद को स्थिति पर चर्चा करने और इन चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए सामूहिक संकल्प व्यक्त करने का अवसर नहीं दिया जा रहा है।

भारत-पाक सीमा पर दो तस्कर गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। बीएसएफ ने भारत-पाक सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोन तस्करी के विरुद्ध तीन अलग-अलग ऑपरेशन चलाकर दो ड्रग तस्करों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में हेरोइन बरामद की है। बीएसएफ प्रवक्ता ने रविवार देर रात जारी जानकारी में बताया कि यह हेरोइन पाकिस्तान की तरफ से भारतीय सीमा में गिराई गई थी। बीएसएफ प्रवक्ता के अनुसार पहले ऑपरेशन में अमृतसर के अजनाला थाना के चकबल गांव में एक संदिग्ध व्यक्ति के घर पर बीएसएफ और एएनटीएफ पंजाब पुलिस द्वारा संयुक्त छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान, संदिग्ध को 1.560 किलोग्राम हेरोइन के साथ पकड़ा गया, जो कपड़े में लिपटे एक सफेद पॉलीथीन बैग में पैक किया गया था। दूसरे ऑपरेशन में खुफिया इनपुट के आधार पर बीएसएफ ने सीमा पार से मादक पदार्थ ले जा रहे एक पाकिस्तानी ड्रोन को रोकने के लिए घात लगाया। जैसे ही ड्रोन ने भारत में अपनी खेप गिराने का प्रयास किया, बीएसएफ जवानों ने इसे सफलतापूर्वक रोक दिया और एक तस्कर को पकड़ लिया जो पैकेज लेने आया था।

आईपीएस जी नागेश्वर राव होंगे पंजाब के नए विजिलेंस चीफ

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने एक अहम आदेश जारी करके राज्य के विजिलेंस चीफ को बदल दिया है। सोमवार को जारी किए गए आदेशों के अनुसार सरकार ने स्पेशल डीजीपी वरिंदर कुमार को विजिलेंस ब्यूरो प्रमुख के पद से हटाकर आईपीएस अधिकारी जी. नागेश्वर राव को प्रदेश का नया विजिलेंस प्रमुख लगाया है। जी नागेश्वर 1995 बैच के आईपीएस अधिकारी है। हालांकि, वह वरिंदर कुमार से जूनियर है। वरिंदर कुमार को विजिलेंस प्रमुख से हटाने के बाद अभी नई नियुक्ति नहीं दी गई है। फिलहाल उन्हें डीजीपी आफिस पंजाब में रिपोर्ट करने के आदेश दिए गए हैं। पंजाब सरकार के गृह विभाग ने इस संबंधी आदेश जारी कर दिए गए है।

APOLLO HOSPITALS CHENNAI
OBSTETRICIAN & GYNAECOLOGIST

Dr Vinutha Arunachalam, MBBS, M.D.(Obstetrics & Gynaecology), DNB (OBG)
Will be available only for consultation at **Guwahati**
on 22nd February'2025

Patients with difficulty getting pregnant, repeated abortions, tumors of Uterus and Ovary, abnormal bleeding, white discharge and any kind of Gynaecological problem can register their names in advance at:

APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane -10
Ph :8404037649, 03613102669, 0361-3102166

APOLLO HOSPITALS CHENNAI
PAEDIATRIC SURGEON

Dr. S. Jagadeesh Ms,(Gen Surg), MCh (Paed Surg),FMAS
Will be available only for consultation at **Guwahati** on **23rd February'25**

Children suffering from Swelling in the groin/ Scrotum-HerniaHydrocele, Absent testicles in scrotum- Undescended testes, Abnormal appearance of Genitalia-curvature, passing urine from undersurface-Hypospadias (boys), enlarged clitoris (girls), Difficulty in passing urine/ stools (Motion) freely, Blood in Urine/ stools, Urinary or Fecal leak, no control-Incontinence. Swelling in the head and Neck, any part of the body, Abdominal swelling, pain, vomiting. Difficulty in breathing/ Swallowing/ Chest Pain. Swelling of kidney/ bladder-Hydronephrosis. Swelling over the back/ Spine. Swelling with pus discharge anywhere in the body. Jaundice with white stool. Cancers in Children etc.

APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane -10
Ph : 8404037649, 0361-3102166, 0361-3102669

मैट्रिक परीक्षा के प्रथम दिन 583 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

अररिया (हिंस)। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की ओर से सोमवार से आयोजित वर्ग दस की बोर्ड मैट्रिक की परीक्षा में पहले दिन दोनों पाली मिलाकर 583 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जिला प्रशासन ने अररिया के 43 केंद्रों पर पहले दिन परीक्षा कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न होने का दावा किया। प्रथम पाली में 14933 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 263 परीक्षार्थी अनुपस्थित थे। इसी प्रकार द्वितीय पाली में 14825 उपस्थित एवं 320 परीक्षार्थी अनुपस्थित थे। परीक्षा को लेकर अररिया जिला मुख्यालय में 23 परीक्षा केंद्र एवं फारबिसगंज अनुमंडल मुख्यालय में 20 परीक्षा केंद्र पर परीक्षा हो रहे हैं।

निजी संपत्ति विवाद में प्रशासन के हस्तक्षेप पर हाईकोर्ट गंभीर

प्रयागराज (हिंस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रयागराज जिला प्रशासन द्वारा निजी सम्पत्ति विवाद में हस्तक्षेप करने को गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने डीएम को विवादित सम्पत्ति का कब्जा याची को सौंपने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्र एवं न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की खंडपीठ ने याची अरुण प्रकाश शुक्ल की याचिका पर दिया है। याची अरुण प्रकाश शुक्ला ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर सोरांव तहसील के कटरा दयाराम गांव स्थित विवादित सम्पत्ति पर अपने कब्जे की सुरक्षा की मांग की थी। याची का कहना था कि उसने यह सम्पत्ति राम नरेश मिश्र से खरीदी थी। राम नरेश मिश्र के उत्तराधिकारियों ने इस लेन-देन को यह कहते हुए चुनौती दी कि विक्रेता सम्पत्ति बेचने में सक्षम नहीं थे। वर्ष 2013 में अदालत ने इस चुनौती को खारिज कर दिया और याची के कब्जे को सही ठहराया। इस फैसले के खिलाफ अपील की गई है। उसमें कोई स्थगन आदेश नहीं दिया गया है। याचिका में कहा गया कि अपील लम्बित रहने के बावजूद रामाकांत ने प्रशासन से जबरन बेदखल करने की शिकायत की। इस पर प्रशासन ने एकतरफा कार्रवाई करते हुए राजस्व अभिलेखों के आधार पर उसकी शिकायत पर संज्ञान लिया और पुलिस सहायता से उसे सम्पत्ति का कब्जा सौंप दिया तथा याची को बेदखल कर दिया गया। याची के अधिवक्ताओं ने तर्क दिया कि यह कार्रवाई पूरी तरह से अवैध थी, क्योंकि न तो अदालत का कोई आदेश था और न ही प्रशासन को इस प्रकार के हस्तक्षेप का कोई कानूनी अधिकार था।

No. TECH/U&BDTD/BLDG/IFB/2024-25/3670 *Dated. 17/02/2025*

PRESS NOTICE INVITING TENDER

The Executive Engineer, PWD (B&NH), Udalguri district and Baksa district Territorial Building Division, Udalguri on behalf of Governor of Assam invites bids from approved and eligible Contractors registered with Public Works Department (Buildings), Assam/Contractors registered with Bodoland Territorial Council in the category of Class-I (A.B&C), Class-II & Class-III for 06 (Six) nos of works for bids amounting to Rs.36,71,933.00 (approx) (Rupees Thirty Six Lakhs Seventy One Thousand Nine Hundred Thirty Three) only.

Details may be seen at in the office of the undersigned during offioe hours.

Sd/-Executive Engineer, PWD, (B&NH),
Udalguri district and Baksa district
Territorial Building Division, Udalguri

IPR(BTC)/C/2024-25/1492

पृष्ठ एक का शेष

कोकराझाड़ में ऐतिहासिक...

आयोजित होना राज्य की राजनीतिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज विधानसभा में अपने भाषण में मैंने बीटीआर के आदिवासी समुदाय से जिम्मेदारी लेने और बीटीआर के गैर-आदिवासी समुदाय का ख्याल रखने की अपील की। मुझे यकीन है कि अब से आदिवासी और गैर-आदिवासी दोनों ही शांति से रहेंगे। इससे पहले विधानसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने बोड़ो क्षेत्र में दशकों से चले आ रहे आंदोलन और परिवर्तन के दिनों का जिक्र किया। शर्मा ने कहा कि आज हम उसी स्थान पर खड़े हैं, जहां से कभी *असम 50-50* जैसे नारों के जरिए असम राज्य को विभाजित करने का आह्वान किया गया था। आज कोकराझाड़ इतिहास बनते हुए देख रहा है और एकता और विकास का आह्वान कर रहा है। मुख्यमंत्री ने बोड़ो शांति समझौते पर हस्ताक्षर के बाद बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र में शांति की वापसी पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मुझे 40 साल में बीटीआर में आठ दिनों तक रात बिताने, लोगों के बीच स्वतंत्र रूप से घूमने और रैलियां करने वाला पहला मुख्यमंत्री होने का सम्मान मिला है। आज हम बीटीआर में विधानसभा सत्र आयोजित कर रहे हैं। कुछ साल पहले तक यह अकल्पनीय था और यह केवल प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के प्रयासों से ही संभव हो पाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बोड़ो नेतृत्व की वर्तमान पीढ़ी पार्टी लाइन से ऊपर उठने और क्षेत्र में शांति और विकास का माहौल सुनिश्चित करने के लिए हमारी पूरी प्रशंसा की हकदार है। उल्लेखनीय है कि बजट सत्र के शेष दिन दिसपुर स्थित असम विधानसभा में आयोजित किए जाएंगे।

सत्र में हावी रही छठी ...

बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) के लिए आवंटित बजट में कटौती पर सवाल उठाया। गोगोई ने बताया कि 2020-21 में बीटीआर का बजट 680 करोड़ रुपए था। अगर हर साल इसमें 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी होती, तो 2025 में यह 1,095 करोड़ रुपए हो जाना चाहिए था। इसके बजाय, राज्य सरकार ने फंड को घटाकर 800 करोड़ रुपए कर दिया है। गोगोई ने कार्बी आंग्लांग और दीमा हसाओ के लिए बजटीय आवंटन पर भी सवाल उठाया तथा राज्य से आग्रह किया कि वह केंद्र से इन स्वायत्त परिषदों के लिए अधिक धनराशि उपलब्ध कराने की वकालत करे। गोगोई के जवाब में मुख्यमंत्री शर्मा ने रायजोर दल प्रमुख पर अपने भड़काऊ बयानों से सत्र को बाधित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। शर्मा ने कहा कि मैं अखिल गोगोई से अनुरोध करता हूं कि वे भड़काना बंद करें। हम यहां शांति और विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए हैं, लोगों को आंदोलन शुरू करने के लिए उकसाने के लिए नहीं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि केंद्र छठी अनुसूची क्षेत्रों को सीधे धन मुहैया नहीं कराता है। हालांकि, 125वें संविधान संशोधन विधेयक के पारित होने के बाद, छठी अनुसूची क्षेत्रों को सीधे वित्त आयोग से धन मिलेगा। शर्मा ने कहा कि इससे न केवल असम, बल्कि त्रिपुरा, मणिपुर और मेघालय को भी लाभ होगा। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि संशोधन के तहत बीटीआर में 60 अतिरिक्त सीटें सृजित की जाएंगी तथा अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न वीसी और डीसी कार्यालयों को नगर निकायों में परिवर्तित किया जाएगा। इससे पहले सत्र में, मंत्री नंदिता गोरलोसा ने स्वदेशी और जनजातीय आस्था और संस्कृति (आईटीएफसी) विभाग के समर्थन में बात की, जिसे जुलाई 2021 में वैश्विक जलवायु संकट के बीच टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया था। गोरलोसा ने कहा कि यह विभाग महत्वपूर्ण है क्योंकि दुनिया जलवायु आपातकाल का सामना कर रही है। कई सांस्कृतिक और पारंपरिक प्रथाएं टिकाऊ हैं, और असम के पास इन स्वदेशी प्रथाओं को बढ़ावा देने में अग्रणी होने का अवसर है। हालांकि, विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया ने चिंता जताई कि छठी अनुसूची के प्रावधान अकेले अपर्याप्त हैं। अतिरिक्त उपायों की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि जबकि स्वदेशी लोगों को भूमि देने के बारे में चिंताएं हैं, भूमि को अक्सर औद्योगिकीकरण उद्देश्यों के लिए डायवर्ट किया जा रहा है, जिससे स्वदेशी समुदाय खतरे में हैं, सैकिया ने कहा। 2025-26 के केंद्रीय बजट पर सैकिया ने छठी अनुसूची क्षेत्रों के लिए पर्याप्त धन की कमी की ओर इशारा किया। सैकिया ने कहा कि कार्बी आंग्लांग को 50 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, दीमा हसाओ का बजट 50 करोड़ रुपए से बढ़कर 100 करोड़ रुपए हो गया है, लेकिन बीटीआर के वित्त पोषण में 71 प्रतिशत की कटौती की गई है।

राज्य सरकार ने ...

नेतृत्व के संयुक्त प्रयासों को दर्शाता है। असम विधानसभा के गुवाहाटी के बाहर कोकराझाड़ में पहले सत्र से पहले, शर्मा ने बीटीआर के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोरो के साथ जरबारी-दिघली क्षेत्र में सड़क की स्थिति का आकलन किया। मुख्यमंत्री ने सिखना ज्वालाओ राष्ट्रीय उद्यान, बिस्मुरी, उल्टापानी-सरलापारा और भूटानी गांव सरपांग में सड़क संपर्क का भी निरीक्षण किया। कोकराझाड़ में बिस्मुरी को भूटान के उल्टापानी, सरलापारा और सरपांग से जोड़ने के उद्देश्य से 35 किलोमीटर की सड़क परियोजना पर विशेष ध्यान दिया गया। आगामी सड़क परियोजनाओं से असम और भूटान के बीच संपर्क में सुधार और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की उम्मीद है।

कोई भी जांच करा ...

देख कर ही पता चल गया कि सीएम शर्मा के मन में कोई चिंता सता रही है, जो होना स्वाभाविक भी है। क्योंकि वह डरे हुए हैं। और इसी डर के कारण वे हर दिन अपनी स्थिति को बदलते रहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमारी (कांग्रेस) स्थिति शुरू से ही स्पष्ट है कि अगर उन्हें कोई जांच करनी है तो करें। आज से 12 महीने बाद असम में होने वाले चुनाव उनके डर की बड़ी वजह है। वे जानते हैं कि वह अपनी पोस्ट खोने जा रहे हैं। वह अपने भविष्य को लेकर डरे हुए हैं जब भविष्य में असम में कांग्रेस की सरकार बनेगी। मुख्यमंत्री शर्मा पर हमला जारी रखते हुए गौरव गोगोई ने कहा कि पिछले 10 सालों तक असम के लोगों ने राज्य सरकार से लगातार सवाल किए लेकिन उन्होंने एक भी सवाल का जवाब नहीं दिया। उन्होंने आगे कहा कि पिछले साढ़े 4 सालों में, असम के लोग हिमंत विश्व शर्मा से सवाल कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने एक भी सवाल का जवाब नहीं दिया। उन्हें 2026 के चुनावों के बाद जवाब देना होगा। इसलिए आज उनके मन में संदेह है। इन 12 महीनों में कांग्रेस एकजुट होकर लोगों के बीच जाएगी और उनके मुद्दे उठाएगी। अंत में असम की जनता की जीत होगी।

पाकिस्तानी नागरिक अली...

कोलबर्न के ब्रिटिश नागरिक होने के बावजूद तत्कालीन कालियाबोर निर्वाचन क्षेत्र में लोकसभा चुनाव के दौरान प्रचार में भाग लेने की जांच के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखेगी। सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने संवाददाता सम्मेलन में कैबिनेट के एक प्रस्ताव को विस्तार से पढ़ा था। इस दौरान उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख की ओर से असम में सांप्रदायिक सद्भाव को बाधित करने के उद्देश्य से की गई कुछ टिप्पणियों के बारे में कई समाचार खबरों, सोशल मीडिया पोस्ट और अन्य जानकारी सार्वजनिक रूप से सामने आई है। उन्होंने आगे कहा कि शेख की सोशल मीडिया गतिविधि में भारत के आंतरिक मामलों और ससंदीय मामलों पर विस्तृत टिप्पणी शामिल है, जिससे उक्त व्यक्ति के भारत के हितों से समझौता करने और उन्हें नुकसान पहुंचाने के इरादे पर गंभीर चिंताएं पैदा होती है। सीएम शर्मा ने कहा कि इस मुद्दे के व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा विशेष रूप से असम के निहितार्थों को देखते हुए राज्य मंत्रिमंडल ने पुलिस महानिदेशक को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और अन्य प्रासंगिक कानूनों के उचित प्रावधानों के तहत शेख के खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है। इन सब के बीच गौरव गोगोई का एक नया बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि असम सरकार कोई भी जांच कर सकती है, लेकिन हम जानते हैं कि हम कहां खड़े हैं।

पीएम मोदी की ...

खोज समिति ने इन पदों पर नियुक्ति के लिए पांच सचिव स्तर के अधिकारियों के नामों को शॉर्ट लिस्ट किया था, ताकि प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली समिति उन पर विचार कर सके। पीएम, लोकसभा में नेता विपक्ष और पीएम की तरफ से नामित एक कैबिनेट मंत्री एक नाम को मंजूरी देते हैं। इसके बाद राष्ट्रपति नए मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति करेंगी। वहीं इसे लेकर कांग्रेस की तरफ से प्रेस कांफ्रेंस की गई, जिसे कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी और अजय माकन ने संबोधित किया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि आज चीफ इलेक्शन कमिश्नर के चुनाव से जुड़ी बैठक हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि 19 फरवरी को इस विषय में सुनवाई होगी और फैसला सुनाया जाएगा कि कमेटी का संविधान किस तरीके का होना चाहिए। ऐसे में आज की बैठक को स्थगित करना चाहिए था। कांग्रेस नेता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि चयन समिति से भारत के मुख्य न्यायाधीश को हटाकर सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह चुनाव आयोग पर नियंत्रण चाहती है, न कि उसकी विश्वसनीयता को बनाए रखना चाहती है। इस दौरान कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन के लिए 2023 में एक एक्ट आया- मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम इसके अनुसार- प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और नेता विपक्ष की समिति मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन करती है, लेकिन उसमें बहुत सारी संवैधानिक और कानूनी समस्याएं हैं। इन्हीं समस्याओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट के सामने बात रखी गई और सुप्रीम कोर्ट ने 2 मार्च 2023 को एक फैसला दिया। इस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लोकतंत्र और उसकी निष्पक्षता के लिए सीईसी और ईसी की चयन समिति में प्रधानमंत्री, भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआईआई) और नेता विपक्ष हों। लेकिन इस फैसले की आत्मा और उद्देश्य को बिना समझे, जल्दबाजी में मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम लाया गया। इस नए कानून में सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के ठीक विपरीत काम किया गया, जिसमें पूरी तरह से कार्यपालिका मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) का चयन कर रही है।

ममता होंगी आई.एन.डी.आई.ए ...

कहा कि ममता बनर्जी के खिलाफ कोई भी व्यक्ति पश्चिम बंगाल में चुनाव लड़ेगा, तो उसे हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने यह भी भरोसा जताया कि आने वाले समय में ममता बनर्जी आई.एन.डी.आई.ए ब्लॉक की अध्यक्ष बनेंगी और देश का नेतृत्व भी करेंगी। कीर्ति आजाद ने ममता की राजनीतिक ताकत और उनकी बढ़ती स्वीकार्यता का उल्लेख करते हुए, यह दावा किया कि दीदी का नेतृत्व गठबंधन के लिए फायदेमंद साबित होगा। इस बीच, कीर्ति आजाद ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं पर भी निशाना साधा। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के एक बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, आजाद ने कहा कि संघ और भाजपा के पास केवल जुमले हैं और उनका काम लोगों को गुमराह करना है। कीर्ति ने यह भी दावा किया कि आरएसएस के लोग अंग्रेजों के साथ थे और उन्होंने देश के विभाजन में अपनी भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि आरएसएस ने हमेशा धर्म के नाम पर विभाजन को बढ़ावा दिया है, लेकिन जब आप उनसे पूछें कि उन्होंने देश के लिए क्या किया, तो उनके पास बस जुमले होते हैं। इससे पहले, मोहन भागवत ने पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले में संघ के स्वयंसेवकों को संबोधित किया था। भागवत ने हिंदू समाज की विविधता और उसकी स्वभाविकता को स्वीकार करने की बात की थी। उनका कहना था कि आरएसएस का उद्देश्य हिंदू समाज को एकजुट करना है, क्योंकि हिंदू समाज ही इस देश की संरचना के लिए जिम्मेदार है। भागवत के अनुसार, भारत का स्वभाव और उसकी संस्कृति प्राचीन है, जो दुनिया के अन्य हिस्सों से अलग है। भागवत ने यह भी कहा कि जिन लोगों ने भारत के स्वभाव को नहीं माना, उन्होंने पाकिस्तान जैसा अलग देश बना लिया। उनका कहना था कि दुनिया भर में हिंदू समाज ने हमेशा विविधता को स्वीकार किया और आगे बढ़ने की कोशिश की।

20 को होगा नए सीएम...

विधानसभा में सदन के नेता का चुनाव किया जाएगा। सदन का नेता दिल्ली का नया मुख्यमंत्री होगा। सूत्रों ने यह भी कहा कि 20 फरवरी को मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह के साथ राष्ट्रीय राजधानी में नई सरकार का गठन होने की संभावना है। मुख्यमंत्री और मंत्री पद के लिए कई नवनिर्वाचित विधायकों के नाम चर्चा में हैं। शीर्ष पद के लिए सबसे आगे माने जाने वाले लोगों में प्रवेश वर्मा शामिल हैं, जिन्होंने नई दिल्ली सीट से चुनाव में आप प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को हराया था, और दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और सतीश उपाध्याय भी शामिल हैं। पवन शर्मा, आशीष सूद, रेखा गुप्ता और शिखा राय सहित अन्य भी मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं। पार्टी में कई लोगों का मानना है कि राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश, ओडिशा और छत्तीसगढ़ की तरह भाजपा नेतृत्व भी नवनिर्वाचित विधायकों में से किसी एक पर दांव लगा सकता है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 5 फरवरी को हुए विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करके 26 साल से ज़्यादा समय के बाद दिल्ली की सत्ता में आई। इसने दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) के 10 साल के शासन को खत्म कर दिया। भगवा पार्टी ने राजधानी की 70 विधानसभा सीटों में से 48 पर जीत हासिल की।

ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध ...

अमेरिका-रूस वार्ता में शामिल नहीं होगा। जेलेंस्की ने कहा कि जब वार्ता में यूक्रेन शामिल नहीं होगा तो वह इसके परिणामों को भी स्वीकार नहीं करेगा। संयुक्त अरब अमीरात से एक कांफ्रेंस कॉल पर पत्रकारों से बात करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि उनकी सरकार को सऊदी अरब में मंगलवार को होने वाली वार्ता में आमंत्रित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि वार्ता में यूक्रेन के अधिकारियों के अनुपस्थित होने के कारण इससे कोई परिणाम नहीं निकलेगा। उधर, यूरोपीय नेताओं के बीच चिंता बढ़ी है कि ट्रंप रूस के साथ एक शांति समझौता करने जा रहे हैं, जिससे यूक्रेन और यूरोप की सुरक्षा पर खतरा हो सकता है। ट्रंप के विशेष दूत कीथ केलीग ने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में यह सुझाव दिया था कि यूरोप को इस वार्ता में कोई स्थान नहीं मिलेगा। एलिसी पैलेस ने कहा कि बैठक में यूरोपीय संघ के कई देशों के नेता, ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर, यूरोपीय काउंसिल और यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष, और नाटो के महासचिव भी शामिल होंगे। फिनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर स्टब्ब ने रविवार को सुझाव दिया कि यूरोपीय देशों को एक विशेष दूत नियुक्त करना चाहिए जो यूएस, रूस और यूक्रेन के बीच वार्ताओं में उनके हितों का प्रतिनिधित्व करे।बैठक में यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी पर भी चर्चा हो सकती है, जिसे यूरोपीय देशों के सहयोग से सुनिश्चित किया जा सकता है। फ्रांस के विदेश मंत्री ने रविवार को बताया कि फ्रांस, ब्रिटेन और पोलैंड की सेनाओं को यूक्रेन में तैनात करने पर विचार हो रहा है, ताकि भविष्य में संघर्षविराम की गारंटी दी जा सके। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने सोमवार को घोषणा की कि उनका देश शांति सैनिकों को यूक्रेन भेजने के लिए तैयार है। स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने भी कहा कि यदि वार्ता आगे बढ़ती है, तो उनका देश भी शांति सैनिकों का योगदान देने पर विचार करेगा। हालांकि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने यूरोपीय देशों को आश्वस्त किया कि किसी भी *वास्तविक वार्ता* में यूरोप और यूक्रेन को शामिल किया जाएगा। कीव को रियाद में होने वाली वार्ता में कोई निमंत्रण नहीं मिला है, लेकिन जेलेंस्की ने कहा कि वह बुधवार को सऊदी अरब जाएंगे और उम्मीद करते हैं कि ट्रंप से मिलने का समय तय किया जाएगा।

चैंपियंस ट्रॉफी से ...

पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, जिससे इस विवाद की गंभीरता बढ़ गई है। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) ने पाकिस्तान में सुरक्षा को लेकर पहले ही सवाल उठाए थे। बीसीसीआई ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारतीय टीम को पाकिस्तान भेजने से मना कर दिया था। इसके बाद आईसीसी और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल में बदलने के लिए मजबूर होना पड़ा। आईसीसी ने इस मामले में बयान जारी करते हुए कहा था कि भारत अपने सभी लीग मैच दुबई में खेलेगा। साथ ही अगर भारत सेमीफाइनल या फाइनल में पहुंचता है, तो ये मुकाबले भी दुबई में ही होंगे। इससे पहले बीसीसीआई, पीसीबी और आईसीसी के बीच हुए समझौते के तहत यह तय हुआ था कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम भी भारत में होने वाले आईसीसी इवेंट्स में अपने मैच वहां पर नहीं खेलेगी, बल्कि वह भी अपने मुकाबले तटस्थ स्थान पर खेलेगी। पाकिस्तान और भारत के बीच क्रिकेट को लेकर हमेशा से ही राजनीति और विवादों का दौर चलता रहा है। दोनों देशों के बीच सुरक्षा, विवादित क्षेत्रों और क्रिकेट मैचों को लेकर हमेशा तनाव बना रहता है। इस बार जब पाकिस्तान ने आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी का जिम्मा लिया, तो यह उम्मीद जताई जा रही थी कि दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंधों में कुछ सुधार हो सकता है। लेकिन अब भारतीय झंडे को हटाने का विवाद एक बार फिर इन संबंधों में खटास पैदा कर सकता है। बीसीसीआई ने इस विवाद को गंभीरता से लिया है और पाकिस्तान की ओर से झंडे को हटाए जाने के बारे में सवाल उठाए हैं। इसके साथ ही भारतीय फैंस और क्रिकेट प्रेमियों ने भी इस पर गहरी चिंता जताई है और पाकिस्तान के इस कदम की कड़ी निंदा की है। इस विवाद ने पाकिस्तान के क्रिकेट प्रशासन और आईसीसी को भी आलोचना के घेरे में ला दिया है।

1 अप्रैल से मप्र ...

इसकी जानकारी दी। इन नए बार में केवल बीयर, वाइन और रेडी-टू-ड्रिंक अल्कोहल युक्त पेय पदार्थ ही उपलब्ध होंगे, जिनमें अधिकतम 10 प्रतिशत वी/वी (वॉल्यूम ऑन वॉल्यूम) अल्कोहल होगा। इनमें स्प्रिट (व्हिस्की, रम, वोडका आदि) का सेवन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। वर्तमान में मध्य प्रदेश में लगभग 460-470 शराब-सह-बीयर बार हैं, लेकिन इन नए आउटलेट्स के खुलने से यह संख्या तेजी से बढ़ेगी। दूसरी ओर, 17 धार्मिक स्थलों सहित 19 स्थानों पर शराब की बिक्री पर प्रतिबंध के कारण कुल 47 शराब की दुकानें बंद हो जाएंगी। राज्य सरकार को इस निर्णय से आबकारी राजस्व में लगभग 450 करोड़ रुपए के नुकसान का अनुमान है। हालांकि सरकार का कहना है कि यह फैसला सामाजिक हित को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। हालांकि मध्य प्रदेश में बिहार की तरह पूर्ण शराबबंदी कानून नहीं है। इसलिए जिन स्थानों पर दुकानें बंद होंगी, वहां बाहर से शराब लाकर व्यक्तिगत रूप से पीने पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। नई आबकारी नीति के तहत जहां लो-अल्कोहलिक बेवरेज बार खोलने की अनुमति दी जा रही है, वहीं धार्मिक और विशेष स्थलों पर शराब की बिक्री पूरी तरह बंद की जा रही है। इस नीति का उद्देश्य सामाजिक संतुलन बनाए रखते हुए राजस्व में वृद्धि करना है।

हार का इतिहास बनाने वाले भूपेन बोरा के बयानों से भाजपा का सिर चकराने वाला नहीं : रुपम गोस्वामी

गुवाहाटी (हिंस)। हार का इतिहास बनाने वाले असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा के बयानों से भाजपा का सिर चकराने वाला नहीं है। असम प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता रुपम गोस्वामी ने आज कुछ इस तरह से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पर तंज कसा। गोस्वामी ने कहा किकांग्रेस नेता गौरव गोगोई मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के एक भी सवाल का जवाब नहीं दे सके। दरअसल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा और सांसद गौरव गोगोई की संयुक्त संवाददाता सम्मेलन पर उठे आरोपों पर सोमवार को भाजपा प्रवक्ता गोस्वामी ने अपनी प्रतिक्रिया दी। गोस्वामी ने एक बयान में कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सांसद गौरव गोगोई के खिलाफ जो आरोप लगाए गए हैं, उसमें एक का भी वे उत्तर नहीं दे सके। प्रवक्ता गोस्वामी ने दोहराया कि हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सांसद गौरव गोगोई और उनकी पत्नी के पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ संबंधों को लेकर लगाए गए आरोपों के जवाब में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा और सांसद गौरव गोगोई ने कोई उत्तर नहीं दिया। इसके स्थान पर वे मुख्यमंत्री पर राजनीतिक हमले करते हुए देखे गये। उन्होंने कहा कि दो कांग्रेस नेताओं के उत्तर से पलायनवादी मानसिकता के चलते सांसद और उनकी पत्नी के पाकिस्तानी संबेध को लेकर संदेह और अधिक गहरा हो गया है। प्रवक्ता ने

कहा कि कांग्रेस को जल्द ही राज्य में भाजपा सरकार की आलोचना करने का समय मिलेगा, लेकिन पहले एक स्पष्ट उत्तर दें क्योंकि लोग पाकिस्तानी अधिकारियों के संबंध के बारे में जानना चाहते हैं। यह देश की राष्ट्रीय सुरक्षा मामले से जुड़ा है। गोस्वामी ने कहा कि शादी के छह साल बाद भी सांसद की पत्नी केवल गौरव गोगोई से प्यार करती है, लेकिन वे भारतीय नागरिकता लेकर खुद को एक भारतीय और असमिया के रूप में पहचानना नहीं चाहती। उन्होंने कहा कि इस पूरे मुद्दे से बचने की कोशिश कर सांसद गोगोई पाकिस्तान के साथ संबंधों को लेकर संदेह के घेरे में धंसते जा रहे हैं। यह पहली बार नहीं है कि कांग्रेस की देश विरोधी मानसिकता सामने आई है। हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी इस तरह के बयान दे चुके हैं।

राज्यपाल ने सीआईटी में बीटीआर के किसानों कारीगरों, बुनकरों और उद्यमियों से की बातचीत

कोकराझाड़ (हिंस)। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने कहा कि कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में समृद्धि के लिए उनका योगदान असम के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राज्यपाल आचार्य ने राज्य में बुनाई, उद्यमिता और जैविक खेती के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए व्यक्तियों की सराहना की। रविवार को कोकराझाड़ में गुवाहाटी से बाहर पहली बार आयोजित ऐतिहासिक असम विधानसभा सत्र में शामिल होने आए थे। उन्होंने आज कोकराझाड़ में केंद्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईटी) में किसानों, कारीगरों, बुनकरों और उद्यमियों के साथ एक संवादात्मक बैठक की। राज्यपाल ने कहा कि राज्य और बीटीआर को आत्मनिर्भर बनाने के लिए किसानों, बुनकरों, कारीगरों और उद्यमियों की दी गई भूमिका और सेवाएं असाधारण रही हैं। उन्होंने उनसे अगली पीढ़ी के उद्यमियों के लिए रोल मॉडल बनने के लिए भी कहा कि ताकि असम और बीटीआर देश में उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र में एक स्थान बना सकें। राज्यपाल ने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से किसानों का समर्थन करने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की केंद्र सरकार के साथ-साथ राज्य और परिषद सरकारों के अथक प्रयासों को भी रेखांकित किया। उन्होंने सभी से इस क्षेत्र में खुद को रोल मॉडल के रूप में स्थापित करने के लिए इन पहलों का लाभ उठाने को कहा। टिकाऊ कृषि प्रथाओं को प्रोत्साहित करते हुए, उन्होंने जोर देकर कहा कि जैविक और व्यवस्थित खेती में किसानों को रोजगार सृजक में बदलने की क्षमता है। इसलिए, आचार्य ने उपस्थित सभी लोगों से अधिक आत्मनिर्भरता और विकास सुनिश्चित करने के लिए प्राकृतिक खेती और जलवायु लचीलापन फसल की खेती जैसी आधुनिक खेती को अपनाने के लिए दूसरों को प्रेरित करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने सभी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात को सुनने की अपील की और इसे प्रेरणा का स्रोत बताया। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में राज्यपाल ने असम अमृत सरोवर, सद्भावना संगत प्रोत्साहन योजना के तहत कोकराझाड़ के जिला आयुक्त को आवश्यक सामान सौंपा, ताकि वे इसे लाभार्थियों को सौंप सकें। कार्यक्रम में बीटीसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोडो, बीटीसी के प्रधान सचिव आकाशदीप, पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित डॉ. मंगल सिंह हजोवारी और डॉ. अनिल कुमार बोड़ो और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

एशियाई संसदीय सभा के 15वें पूर्ण सत्र में कामाख्या तासा शामिल

गुवाहाटी (हिंस)। लोकसभा अध्यक्ष ने कामाख्या प्रसाद तासा, सांसद, लोकसभा को भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल में नामित किया है, जो 18 से 20 फरवरी तक अजरबैजान के बाकू में आयोजित होने वाले एशियाई संसदीय सभा (एपीए) के 15वें पूर्ण सत्र में भाग लेंगे। राज्यसभा सांसद किरण चौधरी भी इस भारतीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगी। एपीए एशिया की 43 संसदों का एक संगठन है। इस पूर्ण सत्र के दौरान *एशिया में बहुपक्षीय सहयोग को मजबूत करने में संसदीय कूटनीति की भूमिका* विषय पर आम बहस आयोजित की जाएगी। इसके अतिरिक्त, प्रतिनिधि सामाजिक-सांस्कृतिक सहयोग और एशिया में आर्थिक एवं सतत विकास से संबंधित विषयों पर प्रस्तावों पर चर्चा करेंगे और उन्हें अपनाएंगे।

पुलिस ने छह अपराधियों को किया गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी पुलिस ने अलग-अलग अभियानों में मोबाइल स्नैचर, शातिर चोर एवं ड्रग्स तस्कर समेत छह अपराधियों को गिरफ्तार किया है। असम पुलिस मुख्यालय ने सोमवार को बताया कि वशिष्ठ थाने की पुलिस ने खानापाड़ा में दो मोबाइल झपटमारों को पकड़ा। जिनकी पहचान खानापाड़ा, कामरूप-मेट्रो निवासी मिलन छेत्री उर्फ हनी सिंह (22) और सोनतोली, कामरूप-मेट्रो निवासी सुखन अली (20) के रूप हुई है। पुलिस ने इन झपटमारों के पास चोरी के आईटेल कीपैड फोन, रियलमी मोबाइल फोन, नथिंग फोन 2ए प्लस और ओप्पो मोबाइल फोन बरामद किया है। एक अन्य घटनाक्रम में वशिष्ठ पुलिस ने चोरी के मामले में सावकुची के डिमासा भवन के पास दो लोगों को गिरफ्तार किया। उनकी पहचान कामरूप-एम निवासी हीरक ज्योति शर्मा उर्फ हालू (19) एवं कामरूप-एम निवासी चिंटू राभा उर्फ बबलू (24) के रूप में हुई। पुलिस ने उसके पास से एक आई फोन-14, एक गुगल पिक्सल-7, एक लाल रंग की होंडा ग्राजिया स्कूटी बरामद किया है। एक अन्य मामले में जोराबाट पुलिस चौकी की एक टीम ने बीती रात जोराबाट तिनाली के पास बर्नीहाट से खानापारा की ओर जा रहे एक ऑटो रिक्शा से ड्रग्स लेकर जा रहे दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से तीन तंबाकू के डिब्बों में 36.50 ग्राम संदिग्ध हेरोइन, नकद 8 हजार 200 रुपये, दो सिम कार्ड के साथ एक सैमसंग गैलेक्सी एस24 अल्ट्रा मोबाइल हैंडसेट, एक ऑटो रिक्शा और 17 खाली शीशियां बरामद की गईं।

रंगिया : श्री श्याम फाल्गुणोत्सव का चौथा वार्षिक आयोजन तीन मार्च को

रंगिया (विभास)। हर वर्ष की तरह इसबार भी श्री श्याम परिवार, रंगिया द्वारा श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव का आयोजन किया गया है। इस वर्ष इसका चौथा वार्षिक आयोजन एक दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों के साथ आगामी 3 मार्च को किया जाएगा। महोत्सव के सुचारू संचालन को लेकर श्री श्याम परिवार, रंगिया द्वारा एक बैठक का आयोजन कर सभी सदस्यों के बीच कार्यभार का वितरण किया गया। वहीं बताया गया है कि स्थानीय श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में आयोजित होने वाले इस महोत्सव के अंतर्गत दोपहर 3-01 बजे बाबा श्याम की पालकी एवं भव्य निशान यात्रा जो कि श्री हनुमान मंदिर, मिल रोड से प्रारम्भ होकर श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर तक पहुंचेगी, शाम 4-30 बजे श्याम भक्तों के लिए अल्पाहार, शाम 6-31 बजे बाबा श्याम की आराधना एवं पूजा प्रारंभ, शाम 7-01 बजे बाबा श्याम की दिव्य ज्योत प्रज्ज्वलन एवं छप्पन भोग आदि कार्यक्रम आयोजित

किए जाएंगे। इसके अलावा शाम 7-15 बजे से प्रभु इच्छा तक बाबा श्याम का गुणगान और रात 8-01 बजे बाबा श्री श्याम का अमृत भंडारा किया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार आमंत्रित गायक कलाकार के रूप में अभिषेक नामा (जयपुर) और तुषार मिश्रा (गुवाहाटी) एवं उनकी टीम उपस्थित होंगी। आयोजकों द्वारा महोत्सव के सभी कार्यक्रमों में सभी भक्तों के उपस्थिति की कामना की गई है।

गुवाहाटी में फ्लाईओवर के नीचे मिला कांस्टेबल का शव

गुवाहाटी (हिंस)। नगर के लोखरा इलाके में एक फ्लाईओवर के नीचे सोमवार को एक पुलिस कांस्टेबल का शव मिलने से सनसनी फैल गयी है। पुलिस टीम ने जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए गुवाहाटी मेडिकल कालेज एंड अस्पताल (जीएमसीएच) में भेज दिया है। जानकारी के अनुसार राजधानी के आजरा पुलिस थाने में कार्यरत राजू महतो नामक पुलिस कांस्टेबल का शव लोखरा स्थित फ्लाई ओवर के नीचे पड़ा होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने जांच पड़ताल की। मौत की वजह का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

मारवाड़ी सम्मेलन, महिला शाखा की कार्यकारिणी सभा आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी महिला शाखा की कार्यकारिणी सभा शाखा अध्यक्ष संतोष शर्मा की अध्यक्षता में धीरेनपाडा में आयोजित हुई। इस सभा में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के आगामी 22 और 23 मार्च को सिलचर में आयोजित होने वाले अधिवेशन में शाखा की सहभागिता पर चर्चा की गई एवं अधिवेशन में भाग लेने के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया में तेजी लाने एवं अन्य कार्यक्रमों की तैयारी पर जोर दिया गया। इसके अलावा भावी कार्यक्रमों पर भी चर्चा करते हुए कई प्रस्वाव गृहित किए गए। जिसमें 31 मार्च को गणगौर मेला, अप्रैल महीने में नुक्कड़ नाटक, 24 मेई को आपणी संस्कृति आपणी पहचान नमक कार्यक्रम का आयोजन तथा महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला सशक्तिकरण से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन शामिल है। इस सभा में शाखा सलाहकार इंदिरा जिंदल, शाखा सचिव बिमला कोचर, उपाध्यक्ष संगीता बड़जात्या के अलावा कार्यकारिणी सदस्या प्रेमलता सिंघानिया, रेखा गोयल, राजश्री कुचेरिया, बीणा चौरडिया, शांति कुंडलिया और जनसंपर्क सचिव संतोष काबरा ने अपनी उपस्थिति देकर कई सुझाव दिए।

मारवाड़ी सम्मेलन के शिष्ट मंडल ने पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से की शिष्टाचार भेंट

गुवाहाटी (विभास)। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा के नेतृत्व में मारवाड़ी सम्मेलन का एक शिष्ट मंडल ने खानापाड़ कोईनाधारा स्थित असम राज्यिक गेस्ट हाउस में पंजाब के वर्तमान राज्यपाल व असम के पूर्व राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से शिष्टाचार मुलक भेंट की। इस अवसर पर समाज की वर्तमान गतिविधियों पर विशेष चर्चा हुई। राज्यपाल ने केंद्र और राज्य सरकार की प्रशंसा करते हुए केंद्र द्वारा गृहीत कई परियोजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि आगामी 3 वर्षों में असम उन्नति के शिखर पर पहुंच जाएगा। केंद्र व राज्य सरकार की ऐसी कई परियोजनाएं निर्माणाधीन है जिससे असम की तस्वीर ही बदल जाएगी। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असम व पूर्वोत्तर पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। एडवांटेज असम कार्यक्रम में

प्रधानमंत्री दो दिनों तक असम में रहकर और भी कई अन्य परियोजनाओं के बारे में विस्तार से चर्चा करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री का दो दिवसीय असम प्रवास काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे पहले प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा ने राज्यपाल कटारिया का शॉल ओढ़ाकर व प्रांतीय संयुक्त मंत्री पंकज पोद्दार ने फूलाम गमछा ओढ़ाकर सम्मान किया। सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष शंकर बिड़ला ने फूलाम गमछा ओर साराई देकर उनका सम्मान किया। सम्मेलन की कामरूप शाखा के अध्यक्ष दिनेश गुप्ता ने भी फूलाम गमछा से राज्यपाल का स्वागत किया। इस अवसर पर कामरूप शाखा के संस्थापक अध्यक्ष संपत्त मिश्र भी उपस्थित थे।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, सिलचर चतुर्थ सैनिक मित्र सम्मेलन

सेवानिवृत्त सैनिकों एवं पूर्व सैनिकों की समस्याओं के समाधान के लिए महत्वपूर्ण कदम

सिलचर। कछार जिले के सशस्त्र बल कर्मियों और पूर्व सैनिकों की समस्याओं और कल्याण पर चर्चा के लिए 11 वर्षों में पहली बार 24 फरवरी 2025 को चौथी सैनिक बंधु सभा आयोजित की जाएगी। यह महत्वपूर्ण बैठक कछार जिले के जिला आयुक्त एवं जिला सैनिक बोर्ड के अध्यक्ष के नेतृत्व में जिला आयुक्त सम्मेलन कक्ष में आयोजित की जाएगी। कछार जिले में रहने वाले सेना, नौसेना और वायु सेना के वर्तमान और पूर्व कर्मियों, उनके परिवारों और शहीद सैनिकों की विधवाओं की समस्याओं और शिकायतों को सुना गया और समाधान पर चर्चा की गई। यह बैठक सैनिकों के अनुभवों और समस्याओं को साझा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में काम करेगी। कछार जिला सैनिक कल्याण विभाग ने सभी पात्र प्रतिभागियों को बैठक में भाग लेने के लिए आंतरिक निमंत्रण जारी किया है। बैठक में भाग लेने के इच्छुक लोग निम्नलिखित नंबरों पर संपर्क करके अपनी उपस्थिति की पुष्टि कर सकते हैं: मोबाइल नंबर: 9589111637 / 8461811637

नगरबेड़ा-बामुंडंगरा को जोड़ने वाली ब्रह्मपुत्र नदी पर पुल के निर्माण की मांग

नगरबेड़ा। बरपेटा जिले के दक्षिणी तट पर खोलाबंधा के माध्यम से बामुंडंगरा को जोड़ने वाले कामरूप जिले के नगरबेरा से ब्रह्मपुत्र पर एक और बड़ा पुल बनाया जाएगा। राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने विशेष रूप से विधानसभा के पटल पर दिए गए बयान के कार्यान्वयन की अपील की है। लोगों के एक वर्ग के अनुसार, बरपेटा जिले के वर्तमान चेंगा निर्वाचन क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र के दक्षिणी तट पर तीन लाख से अधिक लोग एक बार अविभाजित कामरूप जिले के निवासी थे, लेकिन बाद में नवगठित बरपेटा जिले से जुड़ गए। यह राजनीतिक हितों के लिए है कि इन लोगों को राजनीतिक, सामाजिक और आर्थीक रूप से वश में करने के लिए बरपेटा जिले में अनुचित रूप से मिला लिया गया था। क्षेत्र के शिक्षित लोगों ने उस समय सरकार के प्रशासनिक तंत्र की ऐसी गलतियों और अन्याय के खिलाफ लोकतांत्रिक रूप से आंदोलन किया था ताकि ब्रह्मपुत्र के दक्षिणी तट पर चर क्षेत्रों के लोगों को कामरूप या गोवालपारा के साथ शामिल किया जा सके। लेकिन दुर्भाग्य से, क्षेत्र के लोगों के आंदोलन और न्यायसंगत मांगों को नजरअंदाज कर दिया गया और बरपेटा के साथ सामिल कर दिया गया। तत्कालीन सरकार की गलतियों का खामियाजा आज तीन लाख से ज्यादा लोगों को

भुगतना पड़ रहा है। सामान्य प्रशासनिक कार्य के कारण आज इस क्षेत्र के लोगों को जिले के विभिन्न कार्यालयों, अदालतों, अस्पतालों आदि तक पहुंचने के लिए ब्रह्मपुत्र पार करना पड़ता है। खासकर मानसून के मौसम में इस क्षेत्र के लोगों की आवाजाही काफी खतरनाक हो जाती है। राजनीतिक जाल में फंसने वाले इन लोगों को पॉकेट मनी खर्च कर साधारण काम के लिए बरपेटा जाना पड़ता है और होटलों में ठहरना पड़ता है। जिले के दक्षिणी तट के लोग आज तक कामरूप या गोवालपारा जिले में शामिल होने की मांग कर रहे हैं और सरकार के संपर्क में हैं। लेकिन इन लोगों की कौन सुनता है जो आर्थिक रूप से पिछड़े हैं? इस क्षेत्र के लोग बरसात के मौसम में अलग-अलग हिस्सों में बांस के पुल बनाकर यात्रा करते रहते हैं। कामरूप के नगरबेड़ा और बरपेटा जिलों को जोड़ने के लिए भी बड़े पुलों का निर्माण करने का मांग की है। ब्रह्मपुत्र और जलजोली नदियों के बीच में चर क्षेत्रों में रहने वाले तीन लाख से अधिक लोगों के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार से कई मौकों पर मांग की जाती रही है कि नगरबेड़ा के साथ बामुंडांगरा को जोड़कर ब्रह्मपुत्र पर पुल का निर्माण किया जाए। नगरबेड़ा को बरपेटा जिले से जोड़ने वाले पुल के निर्माण से ग्रेटर साउथ बरपेटा के आर्थिक विकास में तेजी आएगी और सामाजिक और राजनीतिक स्थिति में आमूल-चूल बदलाव आएगा। जब एक राजनीतिक दल ने राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को पूरा मामला समझाया, तो मुख्यमंत्री ने पिछले साल विधानसभा के पटल पर कहा था कि कामरूप जिले के नगरबेड़ा से बामुंदंगरा को जोड़कर ब्रह्मपुत्र पर एक पुल का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद क्षेत्र के लोगों ने मुख्यमंत्री की जमकर तारीफ की। नगरबेड़ा-बामुंदंगरा पुल के निर्माण का मुद्दा फिर से सामने आया जब मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि दोनों जिलों को जोड़ने के लिए एक पुल का निर्माण किया जाएगा। नगरबेरा-बामुंदंगरा को जोड़ने वाली ब्रह्मपुत्र नदी पर पुल के निर्माण से क्षेत्र के आर्थिक विकास में तेजी आएगी और सामाजिक और राजनीतिक बदलाव आएंगे। पिछले साल विधानसभा के पटल पर दिए गए मुख्यमंत्री के बयान और हाल ही में दोनों जिलों को जोड़ने वाले पुल के निर्माण की घोषणा को प्रभावी बनाते हुए, दोनों जिलों के लोगों ने विशेष रूप से मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से नगरबेड़ा-बामुंडांगरा लिंक ब्रिज के निर्माण का प्रारंभिक कार्य पूरा करने का अनुरोध किया है।

NO.NS/37/GNM Trg /2022/55

EDUCATIONAL NOTICE

SEVENTH ROUND OFFLINE COUNSELLING FOR SPOT SELECTION OF CANDIDATES FOR ADMISSION INTO 1st YEAR GNM TRAINING COURSE IN GOVERNMENT GNM TRAINING SCHOOLS UNDER THE DIRECTORATE OF HEALTH SERVICES, ASSAM FOR THE SESSION 2024-2025.

It is for general information to all concerned candidates who appeared in the common entrance examination of GNM Training Course conducted by the Srimanta Sankardeva University of Health Sciences, Guwahati for admission into 1st year GNM Training Course in the Government GNM Training Schools under the Directorate of Health Services, Assam for the session 2024-25, that 40 Nos of seats for GNM Training Course are lying vacant at GNM Training School, Gohpur, Hailakandi and Sribhumi. Therefore, the 7th round offline counselling for selection of candidates for admission into 1st year GNM Training course for the session 2024-2025 in the Government GNM Training Schools under the Directorate of Health Services, Assam will be held on **20th February, 2025.** as per the schedule given below. Candidates applying under various reserved categories are required to produce their appropriate certificates/testimonials etc. in original issued by competent authority before the Counselling Committee at the time of counselling. The interested candidates who have full filled all the eligibility criteria for admission into 1st year GNM Training Course are hereby requested to appear in the offline open counselling.

Candidates must bring all original testimonials i.e. Mark Sheet & Pass Certificate of (10+2) examination, Admit Card of HSLC examination or Birth Certificate, Caste Certificate PRC/Domicile Certificate, pass port size photo, and other relevant documents including Admit Card of Entrance Examination, Score Card of Entrance Examination and separate photocopies of the said documents which will be required to be submitted at the time of counselling.

Candidates are directed to visit the official website of this Directorate, w.w.w.dhsassam.gov.in regularly for updates.

Date of counselling : 20th February, 2025
Total vacant Seats : 40
Category wise distribution of seats as follows :
UR=22, EWS=2, OBC/MOBC= 11, SC= 3, STH=2
(Candidates belonging to reserved categories will be accommodated in their respective categories in order of merit)
Venue : Conference Hall, O/o Director of Health Services, Assam, Hengrabari, Guwahati-36
Reporting Time : 9.30 AM
N.B: first come first preference.

Sd/-
Director of Health Services, Assam
Hengrabari, Guwahati-36

-- Janasanyog/D/12722/24/18-Feb-25

संपादकीय

सुबह उठते ही जब दिल्ली में डोलने लगी धरती!

दिल्ली व उसके आसपास के क्षेत्र में 17 फ़रवरी की सुबह भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। कई सेकंड तक धरती डोलती रही। लोग दहशत में अपने घरों से बाहर निकल गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.0 मापी गई, इसका केंद्र दिल्ली के पास ही धरती से 5 किलोमीटर की गहराई में था। इसीलिए तेज झटके महसूस हुए। कुछ सेकंड तक चलने वाले भूकंप के झटके इतने तेज थे कि इमारतों के अंदर जोरदार कंपन महसूस हुआ। भूकंप सुबह 5 बजकर 36 मिनट पर आया, जिससे लोगों की नींद उड़ गई। लोगों में दहशत फैल गई और वे एहतियात के तौर पर अपने घरों से बाहर निकल गए। भूकंप के झटके दिल्ली-एनसीआर के साथ पड़ोसी राज्यों में भी महसूस किए गए। फिलहाल कहीं से जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं आई है। दिल्ली-एनसीआर भूकंपीय क्षेत्र 4 में आता है, जिससे यहां मध्यम से तीव्र भूकंप आने का खतरा रहता है। समय-समय पर दिल्ली एनसीआर में भूकंप के झटके महसूस होते रहते हैं, लेकिन इस तीव्रता के झटके बहुत समय बाद महसूस किए गए हैं। उत्तराखंड समेत नेपाल और भारत के अन्य क्षेत्रों में धरती बार बार डोलने लगती है। भूकंप के तेज झटकों से लोग दहशत में आ जाते हैं।सन 2022 में आए भूकंप के झटके इतने तेज थे कि गहरी नींद में सोए लोग हड़बड़ाहट में उठे और घरों से बाहर की ओर भागे थे।उस समय उत्तराखंड में भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.5 मापी गई थी। दिल्ली के साथ ही नोएडा और गुरुग्राम में भी कई सेकेंड तक भीषण झटके महसूस किए गए। इसके कारण लोग उठ गए और कई लोग अपनी सोसायटी में बाहर निकल आए।ऐसा लगा कि बेड को कोई बहुत तेज धक्का मार रहा है। इस दौरान घर के फैन और झूमर भी भूकंप के असर के कारण तेजी से हिलने लगे।भूकंप पृथ्वी की सतह के हिलने को कहते हैं। यह पृथ्वी के स्थलमण्डल में ऊर्जा के अचानक मुक्त हो जाने के कारण उत्पन्न होने वाली भूकम्पीय तरंगों की वजह से होता है। भूकम्प बहुत हिंसात्मक हो सकते हैं और कुछ ही क्षणों में लोगों को गिराकर चोट पहुँचाने से लेकर पूरी आबादी को ध्वस्त कर सकने की इसमें क्षमता होती है।भूकंप का मापन भूकम्पमापी यंत्र से किया जाता है, जिसे सीस्मोग्राफ कहते है। 3 या उस से कम रिक्टर परिमाण की तीव्रता का भूकंप अक्सर अगोचर होता है, जबकि 7 रिक्टर की तीव्रता का भूकंप बड़े क्षेत्रों में गंभीर क्षति का कारण बन जाता है।भूकंप के झटकों की तीव्रता का मापन मरकैली पैमाने पर किया जाता है।पृथ्वी की सतह पर, भूकंप अपने आप को, भूमि को हिलाकर या विस्थापित कर के प्रकट करता है। जब एक बड़ा भूकंप उपरिकेंद्र अपतटीय स्थिति में होता है, यह समुद्र के किनारे पर पर्याप्त मात्रा में विस्थापन का कारण बनता है। भूकंप के झटके कभी-कभी भूस्खलन और ज्वालामुखी को भी पैदा कर सकते हैं। भूकंप अक्सर भूगर्भीय दोषों के कारण आते हैं।पिछले साल यानि सन 2021 में 11 सितंबर को जोशीमठ से 31 किलोमीटर पश्चिम दक्षिण पश्चिम में सुबह 5:58 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। इस भूकंप की रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.6 थी। उत्तराखंड में इस भूकंप का प्रभाव चमोली, पौड़ी, अल्मोड़ा आदि जिलों में रहा था।इससे पूर्व 24 जुलाई सन 2021को उत्तरकाशी से 23 किलोमीटर दूर करीब 1 बजकर 28 मिनट पर भूकंप आया था। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.4 मापी गई थी। जिला मुख्यालय उत्तरकाशी के साथ डुंडा, मनेरी, मानपुर, चिन्यालीसौड़, बड़कोट, पुरोला व मोरी से भी भूकंप के झटके महसूस किये गए थे। हरिद्वार जिले में वर्ष 2020 में एक दिसम्बर को नौ बजकर 42 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 3.9 मैग्नीट्यूड मापी गई थी, जिसकी गहराई लगभग 10 किलोमीटर तक थी। इस भूकंप से कोई क्षति तो नहीं हुई थी।लेकिन यह भूकंप भविष्य में किसी बड़े भूकंप का संकेत अवश्य माना गया था।उत्तराखंड भूकंप के दृष्टि से अति संवेदनशील क्षेत्र है। यहां एक साल में कई बार भूकंप के झटके महसूस किए गए जाते हैं। 25 अगस्त सन 2020 को भी उत्तरकाशी में भूकंप आया था। उस समय भूकंप का केंद्र टिहरी गढ़वाल था। रिक्टर पैमाने पर उसकी तीव्रता 3.4 मापी गई थी। इससे पहले को चमोली और रुद्रप्रयाग जिलों में 21 अप्रैल सन 2020 को भूकंप के झटके महसूस हुए थे। जिसका केंद्र चमोली जिले में था, रिक्टर पैमाने पर उस भूकंप की तीव्रता 3.3 थी। भूकंप के इन झटको ने लोगो के मन में बेचैनी बढ़ा दी है।देवभूमि उत्तराखंड से लेकर गुजरात तक भूकंप का खतरा लगातार बना हुआ है। 14 जून सन 2020 की शाम गुजरात के भचाऊ,राजकोट, अहमदाबाद में 5.5 तीव्रता के भूकंप ने सबकी नींदें उड़ा दी थी।सन 2015 में नेपाल केन्द्रित भयंकर भूकम्प के कारण नेपाल और उत्तर भारत में ढाई हजार से अधिक मौते भूकंप से हो गई थी और अरबो रूपये की सम्पत्ति नष्ट हो गई थी।सबसे अधिक क्षति नेपाल और नेपाल से सटे बिहार में हुई थी। उस समय सात दशमलव नौ रिक्टेर पैमाने के अधिक तीव्रता के भूकम्प से जो कि हिरोशिमा बम विस्फोट से पांच सौ चार गुना ताकतवर था,से उत्तराखंड भी भी दहशत फैल गई थी।हिरोशिमा बम विस्फोट से साढ़े बारह किलोटन आफ टीएनटी एनर्जी रिलीज हुई थी जबकि इस भंयकर भूकम्प से उनास्सी लाख टन आफ टीएनटी एनर्जी रिलीज हुई है जिससे नेपाल और बिहार,उत्तर प्रदेश के साथ साथ कई राज्यों में भारी नुकसान हुआ था। उत्तराखण्ड में भी उस समय कई जगह भूकम्प के झटके महसूस किये गए थे। लेकिन उत्तराखंड में भूकम्प से अधिक नुकसान नही हुआ था,लेकिन इससे पूर्व उत्तराखंड भूकंप की भयंकर त्रासदी झेल चुका है।उत्तरकाशी, पिथौरागढ़,अल्मोड़ा, द्वाराहाट, चमोली जिले भूकंप के निशाने पर है।दरअसल उत्तराखण्ड भूकम्प के मुहाने पर खड़ा है, यहां कभी भी भूकंप से धरती डोल सकती है।जिससे उत्तराखण्ड कभी भी तबाह हो सकता है। अपनी भोगोलिक परिस्थिति के कारण बादल फटने,जल प्रलय,भूस्खलन के कारण हजारो मौतो के साथ ही मकानों तथा खेत खलियानों के नष्ट होने का कारण बनता रहा है। भू वैज्ञानिको की मानें तो उत्तराखण्ड कभी भी भूकम्प आपदा से प्रभावित हो सकता है। भूकम्प की दृष्टि से अत्यन्त संवेदनशील उत्तराखण्ड सच पुछिए तो मौत के मुहाने पर खड़ा है। उत्तरकाशी में आए भूकम्प से लेकर धारचूला व लोहाघाट जैसी जगहों पर कई बार आ चुके भूकम्प की त्रासदी झेल चुके उत्तराखण्ड न सिर्फ अपने लिए बल्कि पडोसी राज्यों के लिए भी तबाही का सबब बन सकता है।

त्रिवेणी में डुबकी शब्दातीत और अकल्पनीय ऊर्जा प्रदान करती है

सनातन की दिव्यता और आस्था का जीवंत अनुभव है महाकुंभ

संजय मिश्रा

> भगवान विष्णु की पत्नी यमुना माता और विष्णुपदी के रूप में गंगा मैया का वर्णन वैदिक ग्रंथों में उल्लिखित है। जब गंगा मैया महारानी माता यमुना से जाने की राह मॉंगती है तब यमुना जी उनको अपने गले लगाकर साथ में प्रवाहित होने का संकल्प लेती हैं, जो प्रयागराज के संगम घाट पर सभी को प्रत्यक्ष दिखाई भी देता है।

प्रयागराज में गंगा, यमुना और सरस्वती का त्रिवेणी संगम है, जहाँ श्रद्धालुओं को गंगा और यमुना मैया तो दिखाई देती है परन्तु श्रद्धालु मॉं सरस्वती का आभासी अनुभव करते हुए त्रिवेणी संगम में स्नान कर परम आनंद और पुण्य लाभ प्राप्त करते हैं। यमुना मैया से अधिक गंगा जी को पौराणिक कथाओं और वैदिक ग्रंथों में सम्मान प्रसिद्धि मिली। उनका वैभव भी उनसे ज्यादा विस्तृत है।

महाकुंभ के पावन अवसर पर हमने भी जनसैलाब के रूप में उत्पन्न की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए अपना सफर परिजनों के साथ प्रारंभ किया। प्रयागराज तक की यात्रा में हर कदम पर बाधाओं से साक्षात्कार हुआ किंतु आस्था से प्राप्त अदृश्य शक्ति के बल पर जबलपुर से पहुँचकर प्रयागराज में परिजनों के साथ 11 बार आस्था की डुबकी लगाने का पुण्य दैव कृपा से प्राप्त हुआ। स्नान के उपरांत ऐसा लगा मानो संगम में मॉं गंगा, यमुना और सरस्वती के आंचल की छाँव में कुछ क्षण व्यतीत करने किये हों। एक शब्दातीत और अकल्पनीय ऊर्जा का संचार शरीर में अनुभव हुआ। यहाँ यह बतलाना चाहते हैं कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा महाकुंभ के प्रचार-प्रसार को लेकर अलग मायने रहे हैं। उनका प्रभाव इतना गहरा और व्यापक रहा कि देश के कोने - कोने से ही नहीं अपितु विदेशों से भी असंख्य श्रृद्धालुओं ने महाकुंभ में अमृत स्नान कर पुण्य अर्जित किया।

अभी तक 52 करोड़ से अधिक श्रृद्धालुओं द्वारा त्रिवेणी संगम में स्नान करना केवल विश्व कीर्तिमान ही नहीं सनातन की संगठित शक्ति का उद्घोष है। देश - विदेश के साधु - संतों के साथ-साथ जाने माने गणमान्यजनों, उद्योगपतियों, बॉलीबुड की हस्तियों के अलावा खुद राष्ट्रपति प्रधानमंत्री और अनेक मुख्यमंत्रियों ने भी अपने मंत्रीमण्डल के साथ आस्था की डुबकी लगाकर विश्व कल्याण की कामना की। महाकुंभ जबलपुर

संस्कारधानी से 364 कि.मी. दूर प्रयागराज में आयोजित किया गया है। यह दूरी तय करने के लिए श्रद्धालुओं को 5 टोल प्लाजा से होकर गुजरना पड़ रहा है। इस दौरान देखा गया है कि कम से कम एक टोल प्लाजा नाका पर 1 करोड़ रूपये से अधिक की आय प्रतिदिन दर्ज हो रही है, इस प्रकार जबलपुर से प्रयागराज तक हर टोल नाके में करोड़ों रु. की राशि जमा हो रही है। महाकुंभ का आयोजन 144 साल में एक बार आता है इसे भव्य और दिव्य कुंभ भी कहा जाता है जो दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक मानव समागम है। यहाँ स्नान करने से पाप धुल जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

मेले से अर्थव्यवस्था को हुए लाभ की टोल नाके एक बानगी मात्र हैं। इसके अलावा भारत सरकार की स्टॉर्ट अप योजना की सफलता धरातल पर महाकुंभ के दौरान दिखाई दी जहाँ लाखों बेरोजगारों द्वारा नए-नए रोजगार के अवसर ढूंढकर धनोपार्जन किया गया । उदाहरण के लिए बाइकर्स, हाथ ठेले और आटो वालों , के अलावा छोटे-छोटे समूह में सड़क किनारे सामग्रियों को बेचने वाले देश के कोने - कोने से यहाँ आकर आर्थिक लाभ प्राप्त करते नजर आए।

महाकुंभ की अभूतपूर्व सफलता में डिजिटल इंडिया की भी शानदार भूमिका दिखाई दी, वहीं इलेक्ट्रानिक और प्रिंट मीडिया की सक्रियता से भी विश्व भर में महाकुंभ की अलख जगी और प्रयागराज में अमृत स्नान करने श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा जो आज तक बरकरार है। 47 दिवसीय महाकुंभ के इस आयोजन में सरकार और समाज की दोनों को आर्थिक लाभ हुआ। समाज के प्रत्येक वर्ग को इस आयोजन ने आर्थिक संबल प्रदान किया , वहीं सरकार को भी खर्च की गई राशि से अधिक आय की प्राप्ति हुई है। अनुमान है कि सरकार ने 1500 करोड़ का व्यय कर 2 लाख करोड़ से अधिक की आय प्राप्त की । 144 साल बाद आयोजित इस महाकुंभ में लाखों युवाओं ने पहली बार कोई व्यवसाय जबलपुर से प्रयागराज तक किया है जिसमें चने बेचने, फुल्की बेचने, रेस्टारेन्ट - लॉज खोलने, डीजल - पेट्रोल की अस्थाई दुकान खोलने, टेक्सी किराये से चलवाने के साथ-साथ सड़कों पर श्रद्धालुओं के लिए पेयजल बेचने और प्रसाधन केन्द्रों की व्यवस्था तक शामिल हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संदेशों ने भारत ही नहीं बल्कि विश्व भर में रहने वाले सनातनियों में भी महाकुंभ का रंग भरा। इसीलिए दुनिया के कोने - कोने से लोग प्रयागराज के त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाने पहुँचे। इसका जीवंत दृश्य संगम के घाटों पर जाकर देखा जा सकते हैं । विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन में सरकार को बहुत सारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा और श्रद्धालुओं के लिए सड़क परिवहन, हवाई सेवा और रेल के साथ-साथ अन्य सुविधाएं भी जुटानी पडीं। जिसमें अरबों रूपये खर्च करने पड़े हैं परन्तु इन खर्चों के बावजूद सरकार को देश - विदेश से आए श्रद्धालुओं से भरपूर आय प्राप्त हुई है। लिहाजा अब सरकार को टोल टैक्स से देश के नागरिकों को राहत देना चाहिए और सभी नाकों पर चार पहिया वाहनों को निःशुल्क कर देना चाहिए।

सारथी कुशल हो तो आसान हो जाती हैं हर चुनौतियॉं

लेखक ने स्वयं संस्कारधानी से प्रयागराज तक पत्नी श्रीमती मधु मिश्रा, अनुज सतीश , बहू कल्पना , और मित्र प्रमोद तिवारी के साथ सफर किया और हर विपरीत चुनौती को स्वीकार कर मॉं त्रिवेणी के ऑंचल में जाकर आस्था की डुबकी लगाकर जन्म-जन्मों का पुण्य लाभ प्राप्त कर अपने सभी परिजनों, पूर्वजों, इष्टमित्रों और कुटुम्बजनों के मंगल की कामना की। इस पूरी यात्रा में सारथी प्रमोद तिवारी का सहयोग किसी दैवीय शक्ति से कम नहीं था। क्योंकि अनुभवी और कुशल सारथी के कारण ही हम अपने परिजनों के साथ महाकुंभ के चारों दिशाओं का भ्रमण कर पूज्य साधु - संतों का दर्शन लाभ प्राप्त कर सके। और मॉं गंगा, यमुना, और सरस्वती से आर्शीवाद लेकर जबलपुर लौट पाए। इस यात्रा में मुझे 4 दिन का समय लगा।

दृश्टि कोण

भारत-अमेरिका मैत्री से विकास के नये रास्ते खुलेंगे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल में सम्पन्न हुई अमेरिका की दो दिवसीय यात्रा अनेक दृष्टियों से ऐतिहासिक, अविस्मरणीय एवं मील का पत्थर बनकर प्रस्तुत हुई है। यह निश्चित है कि मोदी के नेतृत्व में एक नई सभ्यता और एक नई संस्कृति गढ़ी जा रही है। व्हाइट हाउस में संपन्न प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बातचीत कई मायनों में सकारात्मक एवं परिणामकारी रही। उसमें किसी तरह की तल्खी नजर नहीं आई, बल्कि मोदी-ट्रंप की दोस्ती ही नये विश्वास एवं संकल्प के साथ उभर कर सामने आयी है। यह निर्विवाद सत्य है कि अमेरिका हमेशा अपने कारोबारी हितों को ही प्राथमिकता देता है। इस मुलाकात में यही नजर आया कि ट्रंप दोनों देशों के व्यापार संतुलन का पलड़ा अमेरिका के पक्ष में करने को कटिबद्ध है। लेकिन मोदी ट्रंप की चतुराई को भी अपनी सादगी एवं सरलता से मात देते हुए भारत के हित में अनेक समझौते कर लिये हैं। यह तथ्य सर्वविदित है कि अमेरिका की नीतियां 'अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका' पर ही समाप्त हो जाती हैं। दूसरी बार सत्ता में आए ट्रंप ने जिस आक्रामक तरीके से कनाडा, मैक्सिको व चीन आदि पर टैरिफ लगाए हैं, वैसी आक्रामकता उन्होंने भारत के प्रति नहीं दिखायी। यह अमेरिका की भारत के प्रति एक विशेष दृष्टि मोदी के प्रभाव का ही परिणाम है।

ट्रंप ने मोदी को अपनी तुलना में बेहतर सख्त वार्ताकार बताया। दोनों नेताओं ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दुगुना करने तथा लाभप्रद व्यापार समझौते के लिये बातचीत करने का संकल्प भी जताया। भविष्य में व्यापार समझौता अमेरिका के पक्ष में न झुके, इसके लिये प्रधानमंत्री मोदी ने कूटनीतिक कौशल का इस्तेमाल किया। भारत को नया बनने के लिए, स्वर्णिम बनाने के लिए, अनूठा बनाने के लिए और उसे विश्व की एक बड़ी ताकत के रूप में उभारने के लिये मोदी के प्रयास अनूठे भी हैं और विलक्षण भी हैं। यहां उल्लेखनीय है कि मोदी-ट्रंप मुलाकात में रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में बातचीत सकारात्मक रही। दोनों देशों ने एक दस वर्षीय रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। जिसमें प्रमुख हथियारों और प्लेटफार्मों के सह-उत्पादन को आगे बढ़ाने की महत्वाकांक्षी योजना का मार्ग प्रशस्त किया गया। वहीं दूसरी ओर यदि भारत को अमेरिकी एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमानों की प्रस्तावित आपूर्ति परवान चढ़ती है तो पड़ोसी देशों की बेचैनी और बढ़ जाएगी और भारत की ओर देखने की उनकी हिम्मत नहीं होगी। मोदीजी का जादू एक बार फिर सिर चढ़कर बोला है। मोदी की इस यात्रा के पीछे इरादा केवल भावनात्मक रिश्तों की बुनियाद को मजबूत करना नहीं रहा है, बल्कि भारत के हक में अमेरिकी नीतियों को प्रभावित करने के लिए उनका सहयोग पाने की मंशा भी रहा है, जो सफल हुआ। संभव है इससे भारत और अमेरिका दोनों ही देशों में विकास के नये रास्तें खुलेंगे।

इस यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण घोषणा यह भी रही है कि 26/11 के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी गई है। यह पाकिस्तान को चेतावनी भी है कि वह अपनी जमीन से आतंकवादियों को सीमापार आतंकी हमलों को अंजाम देने में मदद बंद करे। अब इस्लामाबाद पर मुंबई और पठानकोट के आतंक हमलों के साजिशकर्ताओं को सजा देने का दबाव भी बढ़ जाएगा। निस्संदेह, ट्रंप का 'टैरिफ आतंकवाद' निगलने वाली कड़वी गोली हो सकती है, लेकिन भारत की रक्षा तैयारियों में अमेरिका की बड़ी भूमिका एक आकर्षक प्रस्ताव होगा, जिससे भारत सैन्य मोर्चे पर सशक्त होकर उभरेगा। ट्रंप के साथ मुलाकात में भारत ने अवैध रूप से आए भारतीयों को वापस लेने की बात भी कही। पत्रकार वार्ता में मोदी ने कहा कि इस मुद्दे पर हमारे विचार एक जैसे हैं। यदि अमेरिका में अवैध भारतीय प्रवासियों की पुष्टि होती है तो हम उन्हें वापस लेने के लिये तैयार हैं। उन्होंने इसे मानव तस्करों की करतूत बताया।

मोदी की यह यात्रा दो बहुत अच्छे दोस्तों की बहुत ही नाजूक समझौतेवादी भूमिका को देखने का एक दिलचस्प एवं रोमांचक मौका बनी, प्रतिकूल लगते हालात को अनुकूल नतीजों की ओर मोड़ने का कौशल भी इस यात्रा में बेहतरीन अंदाज में नजर आया। दोनों नेता न केवल पहले से एक-दूसरे को अच्छी तरह से जानते रहे हैं बल्कि उनके बीच की व्यक्तिगत मित्रता एवं आत्मीयता भी चर्चित रही है। यह सुखद संयोग है कि दोनों नेता दुनिया के सबसे बड़े पुराने और सबसे विशाल लोकतंत्र के राष्ट्राध्यक्ष हैं। अमेरिका को पहले से ही दुनिया ग्लोबल लीडर मानती रही है। अब भारत नया और उभरता हुआ विश्वनेता बना है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की जोड़ी से दुनिया पर नये तरीके से आधिपत्य बदलता दिख रहा है। दोनों देशों के लगातार बेहतर होते रिश्तों की पृष्ठभूमि इस तथ्य को और महत्वपूर्ण बना रही थी। फिर भी यात्रा से पहले के घटनाक्रम ने इसकी कामयाबी पर भले ही संदेह की परतें चढ़ा रखी थी, लेकिन मोदी की कुशलता एवं कूटनीति से सभी वार्ताएं सौहार्दपूर्ण होकर सकारात्मक बनी। जिससे भारत एक बार फिर दुनिया के सामने सशक्त एवं ताकतवर बनकर ही प्रस्तुत हुआ है।

ट्रंप के कतिपय सख्ती से बने तनाव को मोदी ने हावी नहीं होने दिया। प्रधानमंत्री मोदी पूरी तरह से अपने अजेंडे पर केंद्रित रहे। उन्होंने न केवल ट्रंप की तारीफ की बल्कि राष्ट्रपति ट्रंप के प्रिय नारे 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (एमएजीए) की तर्ज पर अपना नारा पेश किया- 'मेक इंडिया ग्रेट अगेन' (एमआईजीए), और यह भी कहा कि जब एमएजीए और एमआईजीए साथ आते हैं तो बन जाता है एमईजीए जो दोनों देशों की शानदार साझेदारी की कहानी कहता है। इस तरह दोनों देश ने दुनिया के बॉस होते हुए अपने वर्चस्वी होने को व्यक्त किया। अमेरिका तो इस भूमिका में रहा है, लेकिन अमेरिका भारत को भी इस भूमिका में मानता है तो निश्चित ही यह भारत की दुनिया में मजबूत होती स्थिति को ही बयां कर रहा है। अब दुनिया के हर विवादों को सुलझाने में भारत-अमेरिका की संयुक्त एवं भूमिका महत्वपूर्ण होने से भारत की ताकत को समझा जा सकता है। निश्चित रूप से दोनों देशों के बीच के कई समीकरण आने वाले दिनों में नया आकार लेंगे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा ने इस उम्मीद को ठोस आधार दे दिया है कि सहयोग के स्वरूप में जो भी बदलाव हो, रिश्ता बेहतर ही होता जाएगा। मोदी की इस अमेरिका यात्रा की अहमियत जाहिर है और इसे संभावनाभरा भी माना जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद यह अमेरिका का उनका पहला सफर है। ट्रंप के साथ वाइट हाउस में मोदी की मुलाकात ने यही जताया कि दोनों नेताओं एवं देशों के संबंधों को और प्रगाढ़ करने की ललक दोनों तरफ है।

भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिकी राष्ट्रपति से मुलाकात पर देश ही नहीं, दुनिया की भी निगाहें थीं। एक तो इसलिए कि मोदी उन चुनिंदा शासनाध्यक्षों में से एक हैं, जिनसे डोनाल्ड ट्रंप ने प्रारंभिक दौर में ही मुलाकात करना बेहतर समझा और दूसरे इसलिए कि भारत अब एक बड़ी ताकत बन चुका है और वैश्विक मामलों में उसका रुख-रवैया एवं नीतियां मायने रखती है। इस मुलाकात को लेकर जिज्ञासा का एक कारण यह भी था कि बाइडन प्रशासन के समय अमेरिका और भारत के संबंधों में एक खिंचाव आ गया था। एक अर्से से यह महसूस किया जा रहा था कि बाइडन प्रशासन भारतीय हितों की वैसी चिंता नहीं कर रहा है, जैसी करनी चाहिए। मोदी और ट्रंप की मुलाकात ने यह तो रेखांकित किया कि दोनों देशों के संबंधों में गर्मजोशी लौट आई है, लेकिन अभी यह नहीं कहा जा सकता कि अमेरिका भारत की समस्त चिंताओं का समाधान करने जा रहा है, लेकिन इसे नकारा भी नहीं जा रहा है। ट्रंप ने बांग्लादेश के मामले में भारत के मन मुताबिक बात कहकर, सीमा पार यानी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से मिलकर लड़ने का वादा किया। कुल मिलाकर विकसित भारत के लक्ष्य में सहायक बनने वाले विभिन्न क्षेत्रों में अमेरिका से सहयोग की राह प्रशस्त होना भारत के लिये एक नये सूरज का उदय ही कहा जायेगा।

विचार मंथन

स्कूलों में स्मार्टफोन के प्रतिबंध पर दुनिया भर में बहस

स्कूलों में स्मार्टफोन के उपयोग पर प्रतिबंध एक वैश्विक बहस का विषय बन गया है। जबकि कुछ देशों ने स्कूलों में स्मार्टफोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है, अन्य देशों ने इसके उपयोग को कानूनी दायरे में लाने का फैसला किया है। यूनेस्को की ग्लोबल एजुकेशन मॉनिटरिंग (जेम) टीम के अनुसार, कम से कम 79 शिक्षा प्रणालियों ने स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है, जो बच्चों के शिक्षा और गोपनीयता पर इसके प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करते हैं।

फ्रांस में वर्ष 2018 में स्कूलों में स्मार्टफोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया था जो छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षिक प्रदर्शन पर इसके प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करता था। इसी तरह, कुछ ऑस्ट्रेलियाई और ब्रिटिश स्कूलों ने भी स्कूल घंटों के दौरान स्मार्टफोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है, जो विचलित होने और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करते हैं। अन्य देशों ने भी स्कूलों में स्मार्टफोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाए हैं। चीन के झेंगझओए शहर में, माता-पिता को अपने बच्चों को प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में स्मार्टफोन का उपयोग करने के लिए लिखित सहमति देनी होती है। इसके अलावा, कुछ देशों ने गोपनीयता की चिंताओं के कारण शैक्षिक सेटिंग्स से विशिष्ट अनुप्रयोगों के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। डेनमार्क और फ्रांस ने दोनों ने गूगल वर्कस्पेस पर प्रतिबंध लगा दिया है, जबकि जर्मनी के कुछ राज्यों ने माइक्रोसॉफ्ट उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके विपरीत, कुछ देशों ने स्कूलों में स्मार्टफोन के उपयोग को विनियमित करने का फैसला किया है, इसके बजाय प्रतिबंध लगाने के। यह दृष्टिकोण शैक्षिक सेटिंग्स में स्मार्टफोन के संभावित लाभों को स्वीकार करता है, जैसे कि ऑनलाइन संसाधनों तक पहुंच और छात्रों और शिक्षकों के बीच संचार को सुविधाजनक बनाने की क्षमता। भारत में, उदाहरण के लिए, सरकार ने स्कूलों में स्मार्टफोन के जिम्मेदार उपयोग के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं, जो शिक्षकों को इन उपकरणों को शिक्षा और सुरक्षा को बढ़ावा देने वाले तरीके से अपने शिक्षण प्रथाओं में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। सिंगापुर ने भी स्कूलों में स्मार्टफोन के उपयोग को विनियमित करने के लिए कई पहल शुरू की हैं, जिनमें मोबाइल डिवाइस प्रबंधन सॉफ्टवेयर का उपयोग शामिल है ताकि स्मार्टफोन के उपयोग पर निगरानी और नियंत्रण किया जा सके। इसी तरह, कुछ कनाडाई स्कूलों ने स्कूल घंटों के दौरान स्मार्टफोन के उपयोग को विनियमित करने के लिए नीतियां लागू की हैं, जिनमें निर्दिष्ट 'टेक-फ्री' क्षेत्रों का उपयोग शामिल है। स्कूलों में स्मार्टफोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने या इसके उपयोग को विनियमित करने का निर्णय शैक्षिक समुदाय की विशिष्ट आवश्यकताओं और चिंताओं सहित विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। इसके बजाय एक समग्र प्रतिबंध लगाने के बजाय, स्कूलों और सरकारों को एक संतुलन खोजने का प्रयास करना चाहिए जो छात्रों को स्मार्टफोन के लाभों का लाभ उठाने की अनुमति देता है जबकि जोखिमों को कम करता है।

स्पष्ट नीतियों को लागू करके, छात्रों और शिक्षकों को शिक्षित करके, और स्मार्टफोन के उपयोग पर निगरानी करके, स्कूल स्मार्टफोन के उपयोग को विनियमित करने में मदद कर सकते हैं जो शिक्षा, सुरक्षा और जिम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा देता है। इसके अलावा, स्कूल स्मार्टफोन की लत और संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम को कम करने के लिए शारीरिक गतिविधि और आउटडोर प्ले को बढ़ावा दे सकते हैं। भारत सरकार ने स्कूली छात्रों में स्मार्टफोन की लत के मुद्दे को हल करने के लिए कई कदम उठाए हैं। कुछ स्कूलों ने परिसर के आसपास मोबाइल फोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह दृष्टिकोण विचलित होने को कम करता है और एक स्वस्थ शिक्षा वातावरण को बढ़ावा देता है। स्मार्टफोन की लत बच्चों पर कई नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है, जिनमें ध्यान केंद्रित करने की क्षमता में कमी, साइबर बुलिंग का खतरा बढ़ना और शारीरिक गतिविधि में कमी शामिल है। इसके अलावा, अत्यधिक स्मार्टफोन के उपयोग को कई नकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य परिणामों से जोड़ा गया है, जिनमें चिंता, अवसाद और अकेलापन शामिल हैं। इन जोखिमों को कम करने के लिए, स्कूल और माता-पिता कई कदम उठा सकते हैं, जिनमें स्मार्टफोन के उपयोग पर सीमाएं निर्धारित करना, शारीरिक गतिविधि और आउटडोर प्ले को प्रोत्साहित करना और डिजिटल साक्षरता और जिम्मेदार प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा देना शामिल है। स्कूलों में स्मार्टफोन के उपयोग पर बहस जटिल और बहुआयामी है। जबकि कुछ देशों ने स्कूलों में स्मार्टफोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है, अन्य देशों ने इसके उपयोग को विनियमित करने का फैसला किया है। स्मार्टफोन के लाभों का लाभ उठाने की अनुमति देते हुए छात्रों को जोखिमों को कम करने के लिए एक संतुलन खोजने से, स्कूल और सरकारें छात्रों के लिए एक स्वस्थ और समर्थनकारी शिक्षा वातावरण बनाने में मदद कर सकती हैं।

अंततः, स्कूलों में स्मार्टफोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने या इसके उपयोग को विनियमित करने का निर्णय कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें शैक्षिक समुदाय की विशिष्ट आवश्यकताओं और चिंताओं शामिल हैं। स्कूल, सरकारें और माता-पिता मिलकर काम करके यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि छात्र स्मार्टफोन का उपयोग शिक्षा, सुरक्षा और जिम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा देने वाले तरीके से करते हैं।

कांग्रेस में फेरबदल

क्या नुकसान पहुंचाने वालों को हटाया जाएगा?

आल इंडिया कांग्रेस कमेटी के पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। लंबे समय बाद यह काम हो रहा है इसलिए उम्मीद थी कि एक बार में पूरी तरह होगा। लेकिन शायद इसके लिए बहुत मजबूत इच्छाशक्ति की जरूरत होती है। राहुल गांधी के पास है मगर वह प्रधानमंत्री मोदी भाजपा संघ के सामने। अपनी पार्टी में वह मजबूत नेता की तरह आते नहीं दिख रहे। और अब जब सब कुछ उनके हाथ में है तब भी अगर वे पार्टी में मजबूत नेता के तौर पर काम नहीं करते तो कांग्रेस को मान लेना चाहिए कि राहुल इन्दिरा गांधी या आज की बात करें तो प्रतिद्वन्दी मोदी की तरह, अपनी पार्टी चलाने के इच्छुक नहीं हैं, अब पार्टी को ही उन्हें उनकी तरह चलाना होगा। उनकी तरह चलाने से क्या मतलब है? पहले यह स्पष्ट कर दें! राहुल व्यक्तिगत रूप से हजारों किलोमीटर जैसी मुश्किल दो-दो यात्राएं, बेशुमार लोगों से मिलना, विभिन्न कामकाजी वर्गों के पास जाना उनके काम और जिन्दगी के बारे में समझना, पिता राजीव गांधी की तरह नई टेक्नालॉजी एआई, ड्रोन से भारत के भविष्य बनाने की बात करना, किसी खतरे से नहीं घबराना जैसे वाले आदमी हैं। नेताओं का वह मिजाज उनका नहीं है कि सब कुछ खुद करना है। अपने कंट्रोल में रखना है।

नहीं है तो नहीं है! हालांकि आज इस चीज की सबसे ज्यादा जरूरत है। भाजपा में तो मोदी ही मोदी हैं। उनके अलावा और कोई कुछ नहीं है। ऐसे ही बाकी पार्टियों में भी। टीएमसी में ममता बनर्जी हैं। सपा में अखिलेश यादव। राजद में लालूप्रसाद यादव। सब जगह एक व्यक्ति जो उसका सबसे बड़ा नेता है वही सर्वेसर्वा है। जदयू में अब नीतीश कुमार का कंट्रोल नहीं रहा तो नीचे गिरते हुए दिखने लगी। बाकी एक नेता की जिन पार्टियों का जिक्र किया वे अपने-अपने में मजबूत हैं। तो आज की देश की परिस्थितियां ऐसी हैं कि वहां पार्टी के आन्तरिक लोकतंत्र के सवाल का कोई मतलब नहीं है। मुख्य बात है आपकी पार्टी कितना मजबूत हो रही है। राहुल गांधी पार्टी में लोकतंत्र की स्थापना करते रहें लेकिन जब देश में ही वह कमजोर किया जा रहा है जिसे खुद राहुल कहते हैं तो वह किसी पार्टी में कितना रहेगा। मतलब पार्टी रहेगी तो आन्तरिक लोकतंत्र और दूसरे सिद्धांत रहेंगे। पहली बात पार्टी को मजबूत करना है। तो इन परिस्थितियों में कांग्रेस को यह सोचना होगा कि वह राहुल का बेहतर इस्तेमाल कैसे कर सकती है। संगठन जैसे काम अगर उनकी रूचि का विषय नहीं है तो उसमें उनकी राय ली जाए मगर भूमिका सीमित रखी जाए। कहना आसान है। मगर करना बहुत टिपिकल। वैसे राहुल अहंवादी व्यक्ति नहीं हैं। टीम के हिसाब से खेल सकते हैं। मगर कोई खिलाने वाला होना चाहिए। जो कांग्रेस में चाणक्य की बात की जाती है वह इसीलिए। मगर आजकल चाणक्य कहां मिलते हैं। मैनेजर होते हैं। और मैनेजर अपना फायदा देखते हैं। कांग्रेस के सबसे पुराने और बड़े मैनेजर गुलामनबी आजाद रहे। तमाम राज्यों के प्रभारी रहे। काम हाईकमान का नाम लेकर करते थे मगर प्रचार यह कि उनकी राजनीतिक क्षमता है। आज मालूम पड़ गई राजनीतिक क्षमता!

पार्टी में एक आदमी नहीं बचा। खुद ही झोला झंडा सब उठाना पड़ रहा है। ऐसे ही बीजेपी में एक हुए थे-प्रमोद महाजन। वाजपेयी जैसे जमीनी नेता को भरोसा दिला दिया कि इंडिया इज शाइनिंग! और जल्दी चुनाव करवाकर हरवा दिया। वाजपेयी जी ने जिन्दगी भर विपक्ष की राजनीति की। पुरानी अम्बेसडर में देश भर की सड़कों की खाक छानी। मगर मैनेजर के चक्कर में वे भी आ गए और छह महीने पहले चुनाव करवा दिए। प्रधानमंत्री मोदी की सफलता का एक बड़ा कारण यह है कि कोई मैनेजर नुमा नेता उनके आसपास नहीं है।

वाजपेयी जैसे दूसरे जमीन से जुड़े नेता मुलायम सिंह यादव भी अमर सिंह जैसे मैनेजर के कारण 2007 का चुनाव हारे थे। उसके बाद अखिलेश यादव ने जब अमर सिंह का ठीक से इलाज किया तब वे 2012 में सपा को फिर सत्ता में ला पाए थे। लेकिन असली जो अपने हितों को नहीं देखे पार्टी और नेता को आगे बढ़ाने की सोचे अर्जुन सिंह जैसा। सोनिया को कांग्रेस में सक्रिय करने और 1998 में अध्यक्ष बनाने से लेकर 2004 की केन्द्र की सत्ता में वापसी तक अर्जुन सिंह की भूमिका महत्वपूर्ण है। लेकिन बाद में खुद उनको ही अलग थलग कर दिया गया। लेकिन वे आखिरी तक पार्टी और परिवार के प्रति अपनी वफादारी बनाए रखते हुए ही इस दुनिया से गए। राहुल के लिए और उनसे ज्यादा पार्टी के लिए यह समय थोड़ा भूमिकाओं को पुनर्निधारित करने का है। मल्लिकार्जुन खरगे एक अध्यक्ष के तौर पर बहुत सही काम कर रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष और पार्टी अध्यक्ष दो ही सबसे बड़े पद हैं। लोग दोनों जगह जाकर स्थिति भांपने की कोशिश करते हैं। कांग्रेसी तो इस काम के लिए प्रसिद्ध हैं। लेकिन अभी खरगे और परिवार के बीच नाइत्तफाकी पैदा करने का कलाकारों को कोई मौका नहीं मिल रहा है। खरगे की राहुल के साथ ट्यूनिंग बहुत अच्छी है। लेकिन पार्टी के लिए कुछ और चीजें होना भी जरूरी हैं। खासतौर से संगठन के लिए। और इनमें सबसे जरूरी है नेताओं पर पार्टी का डर। वह सिरे से गायब है। राहुल कहते हैं पार्टी छोड़कर चले जाएं! अभी पुनर्गठन में मौका है। निकालें। अभी जो पहली लिस्ट आई है उसमें कुछ के महासचिव और इंचार्ज के पद लिए हैं मगर वह अनुशासन के मामले नहीं है। राजीव शुक्ला, दीपक बावरिया, मोहन प्रकाश, अजोय कुमार सबके अलग-अलग मामले हैं। असली चीज होगी उन पर कार्रवाई जो नेतृत्व की परवाह ही नहीं करते हैं। उसी से पता चलेगा कि पार्टी आगे कितनी दम से चलेगी।

चुनाव में सोशल मीडिया पर धार्मिक-जातिगत टिप्पणी की तो होगी कार्रवाई

पलवल (हिंस)। पलवल जिले उपमंडल हथीन नगरपालिका चुनाव को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट हो गया है। एसपी चंद्र मोहन ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर धार्मिक या जातिगत भावनाओं को आहत करने वाली किसी भी पोस्ट को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि आगामी 2 मार्च को होने वाले नगरपालिका चुनाव-2025 को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किसी भी तरह की अफवाह फैलाने, अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने या किसी समुदाय विशेष को निशाना बनाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने जनता से अपील की है कि वे सोशल मीडिया का प्रयोग केवल सामाजिक सौहार्द और भाईचारा बढ़ाने के लिए करें। उन्होंने लोगों से अवैध गतिविधियों, नशा बेचने वालों या किसी भी शरारती तत्व की सूचना पुलिस को देने का आग्रह किया है। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। नागरिक अपनी शिकायत नजदीकी पुलिस थाना, चौकी, विशेष यूनिट, पुलिस कंट्रोल रूम या डायल 112 पर दर्ज करा सकते हैं। गौरतलब है कि हथीन नगरपालिका क्षेत्र में हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के मतदाता निवास करते हैं। इसलिए प्रशासन चुनाव के दौरान सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए विशेष सतर्कता बरत रहा है।

कांग्रेस मुक्त राजस्थान की शुरुआत जोधपुर से : मंत्री गहलोत

जोधपुर (हिंस)। प्रदेश की भाजपा सरकार में कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि कांग्रेस मुक्त राजस्थान की शुरुआत अब जोधपुर से होगी। पिछले उपचुनाव में सात में से पांच सीटें भाजपा ने जीती है। आगामी निकाय चुनावों में भी भाजपा अधिक से अधिक सीटें जीतेंगी। यह बात उन्होंने आज यहां भाजपा जोधपुर शहर जिला के नए कार्यालय के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान नवनियुक्त जिलाध्यक्ष राजेंद्र पालीवाल ने विधिवत रूप से कार्यभार ग्रहण किया। कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने नए जिलाध्यक्ष पालीवाल को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पूर्व की कांग्रेस सरकार के समय अपराधों का ग्राफ इतना बढ़ गया था कि हमारे राजस्थान के लोगों का सर शर्म से नीचा हो जाता था। देश में बेरोजगारी में

राजस्थान दूसरे नंबर पर था, लेकिन जब से भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। राजस्थान नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष राजेंद्र पालीवाल ने अपने संबोधन में कहा कि वो सभी को साथ लेकर चलेंगे और पार्टी को मजबूत बनाने का काम करेंगे। सत्ता और संगठन के बीच तालमेल बढ़ाते हुए शहर के विकास को दिशा देने का प्रयास करेंगे। बता दे कि पूर्व में जिलाध्यक्ष कार्यालय सरदारपुरा में था जो अब नए जिलाध्यक्ष बनने के बाद एम्स रोड शिफ्ट हो गया है। इस मौके बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए और पालीवाल को कार्यभार ग्रहण करने की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर राज्य मंत्री केके विश्नोई, राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, सूरसागर विधायक देवेंद्र जोशी, शेरगढ़ विधायक बाबूसिंह राठौड़, शहर विधायक अतुल भंसाली, नगर निगम दक्षिण की महापौर वनिता सेठ, पूर्व महापौर घनश्याम ओझा, भाजपा के दक्षिण जिलाध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी, मेघराज लोहिया, रामचंद्र सिंह राजपुरोहित आदि मौजूद रहे। इस मौके पर आम बजट 2025 पर आम सभा का आयोजन भी हुआ।

अस्पताल पहुंच लोकसभा अध्यक्ष ने गैस रिसाव से प्रभावित बच्चों का जाना हाल

कोटा (हिंस)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर सोमवार को जेके लोन अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने गैस रिसाव से प्रभावित बच्चों का हाल-चाल जाना। उन्होंने डॉक्टरों की टीम से बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके समुचित इलाज के निर्देश दिए। लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने सभी बच्चों से मुलाकात की और डॉक्टरों की टीम को लगातार उनके स्वास्थ्य की निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों के इलाज के लिए बने मेडिकल बोर्ड को भी आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए कि घटना की विस्तृत जांच की जाए और इसके सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए रिपोर्ट तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहयोग और सहायता दी जाएगी। भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए फैक्ट्री मालिकों को आवश्यक दिशा-निर्देश देने के निर्देश भी दिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी संबंधित विभागों की जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए मेडिकल बोर्ड की टीम काम कर रही है और सभी बच्चे फिलहाल स्वस्थ हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को तभी

अस्पताल से छुट्टी दी जाएगी जब उनके परिजन पूरी तरह संतुष्ट होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि गैस रिसाव के लक्षणों के रूप में बच्चों में आंखों में जलन, आंसू आना, सांस लेने में परेशानी, गले में जलन और एक अजीब गंध महसूस होने जैसी समस्याएं देखी गईं। उन्होंने कहा कि यह जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि गैस रिसाव कैसे हुआ और इसमें कोई लापरवाही हुई या नहीं। इस दौरान मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. संगीता सक्सेना, जेके लोन अस्पताल की अधीक्षक डॉ. निर्मला शर्मा सहित विभिन्न विभागों के डॉक्टर भी मौजूद रहे।

ऑनलाइन ट्रांफसफर पॉलिसी में बदलाव करेगी सरकार

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार बहुत जल्द ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी में बदलाव करने जा रही है। इसके लिए सोमवार को हरियाणा सरकार के मानव संसाधन विभाग की तरफ से नई पॉलिसी का ड्राफ्ट जारी कर दिया है। प्रदेश में नई ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी को लागू करने से पहले सभी विभागों, कर्मचारियों के सुझाव मांगे गए हैं। हरियाणा में मनोहर सरकार के पहले कार्यकाल के दौरान वर्ष 2016 में ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी को शिक्षा विभाग में लागू किया गया था। शिक्षा विभाग में भी मौजूद पॉलिसी को लेकर कर्मचारी संगठन एकमत नहीं है। जिसके चलते पिछले सप्ताह प्रदेश के सभी शिक्षक संगठनों की सरकार के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की थी। सरकार ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी को चरणबद्ध तरीके से कर्मचारियों की संख्या के अनुसार कई विभागों में लागू कर रही हैं। नई पॉलिसी में विशेष काडर के सरकारी कर्मचारियों की विभिन्न स्थानों पर तर्कसंगत तैनाती सुनिश्चित करने के लिए एक मॉडल ऑनलाइन स्थानांतरण नीति-2025 का मसौदा तैयार किया है। नीति का उद्देश्य कर्मचारियों में जॉब संतुष्टि को अधिकतम करना और विभागों की कार्यप्रणाली में सुधार करना है। इस संबंध में, नीति का मसौदा हरियाणा सरकार की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है। सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, विभागों और संगठनों के कर्मचारियों से नई नीति पर अपने विचार/सुझाव निर्धारित प्रारूप में मांगे गए हैं। मानव संसाधन विभाग ने यह सुझाव 28 फरवरी तक मांगे हैं। इसके बाद सरकार नई ट्रांसफर पॉलिसी को अधिसूचित कर देगी। सरकार की योजना है कि एक अप्रैल से शुरू होने वाले सत्र के दौरान नई पॉलिसी के माध्यम से ही कर्मचारियों के तबादले किए जाएं।

महर्षि दयानंद की 200वीं जयंती पर उदयपुर में होगी *रन फॉर ट्रूथ*

उदयपुर (हिंस)। श्रीमद् दयानंद सत्यार्थ प्रकाश न्यास, उदयपुर की ओर से 23 फरवरी को महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती पर *रन फॉर ट्रूथ* सहित विभिन्न आयोजन होंगे। इसकी व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। तैयारियों के तहत आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए न्यास के अध्यक्ष अशोक आर्य ने महर्षि दयानंद सरस्वती के जीवन और योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि उनके विचार केवल धार्मिक सुधार तक सीमित नहीं थे, बल्कि वे सामाजिक, राजनीतिक और शैक्षिक पुनर्जागरण के भी प्रबल समर्थक थे। इस विशेष आयोजन के तहत *रन फॉर ट्रूथ* प्रेरणादायी दौड़ का आयोजन किया जाएगा। यह दौड़ सत्य, स्वाधीनता और आध्यात्मिक जागरूकता के संदेश को फैलाने के लिए समर्पित होगी। महर्षि दयानंद ने अपने जीवन में सत्य की खोज और उसके प्रचार-प्रसार को सर्वोपरि माना था, और यह दौड़ उन्हीं मूल्यों को समाज तक पहुंचाने का एक प्रयास है। नवलखा महल कल्चरल सेंटर यूथ विंग की संयोजिका ऋचा पीयूष ने बताया कि दौड़ के लिए रजिस्ट्रेशन प्रारंभ हो चुका है, जिसमें प्रतिभागियों को बिना किसी शुल्क के पंजीकरण की सुविधा दी जा रही है। यह दौड़ 23 फरवरी को प्रात: 7 बजे फतेहसागर झील स्थित एक्वेरियम के निकट से प्रारंभ होगी और पी. पी. सिंघल मार्ग तक जाकर वापस इसी स्थान पर समाप्त होगी। प्रतिभागियों को *प्रथम आओ, प्रथम पाओ* के आधार पर विशेष छपी हुई शर्ट प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम के संयोजक न्यास के संयुक्त मंत्री डॉ. अमृतलाल तापड़िया ने बताया कि रन फॉर ट्रूथ के अतिरिक्त एक विशाल यज्ञ का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें समाज के सभी वर्गों के लोग भाग ले सकेंगे। इस दौरान महर्षि दयानंद सरस्वती के विचारों को प्रसारित करने के लिए विशेष व्याख्यान सत्र भी होंगे। न्यास के अध्यक्ष अशोक आर्य ने यह भी उल्लेख किया कि महर्षि दयानंद सरस्वती (1825-1883) भारतीय समाज सुधारक, आर्य समाज के संस्थापक और वेदों के महान व्याख्याता थे। उन्होंने अंधविश्वास, मूर्तिपूजा, जातिवाद और कर्मकांडों के विरुद्ध अपने विचार प्रस्तुत किए और समाज को इन कुरीतियों से मुक्त कराने के लिए अथक परिश्रम किया। उन्होंने यह भी कहा कि उदयपुर का महर्षि दयानंद जी के जीवन में विशेष स्थान है, क्योंकि यहीं पर उन्होंने अपने कालजयी ग्रंथ *सत्यार्थ प्रकाश* की रचना की थी।

राजस्थान के 10 शहरों में होगा भूमि का डिजिटल नक्शा सर्वेक्षण

जयपुर (हिंस)। डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड मॉडर्नाइजेशन कार्यक्रम के तहत 18 फरवरी को राजस्थान सहित देश के विभिन्न राज्यों में नक्शा प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया जाएगा। राज्य स्तरीय इस परियोजना के लिए राजस्थान के 10 शहरों-भिवाड़ी, किशनगढ़, ब्यावर, सवाईमाधोपुर, जैसलमेर, पुष्कर, बगरू, बहरोड़, नवलगढ़ और नाथद्वारा का चयन किया गया है। इस प्रोजेक्ट के तहत नगरपालिका क्षेत्रों की संपूर्ण भूमि का ड्रोन सर्वेक्षण के माध्यम से डिजिटल मैपिंग करवाई जाएगी, जिससे भूमि अधिकार अभिलेखों का डिजिटलीकरण संभव होगा। इससे भूमि संबंधी सूचनाओं को साझा करना और अधिक पारदर्शी बनाना आसान होगा। डीएलबी निदेशक इंद्रजीत सिंह ने बताया कि इस परियोजना से शहरी विकास को नई दिशा मिलेगी। इससे शहरी क्षेत्रों में संपत्तियों का सटीक सीमांकन संभव होगा और सम्पत्ति के स्वामित्व की जानकारी डिजिटली दर्ज होगी। लैंड रिकॉर्ड ऑनलाइन उपलब्ध होने से आमजन अपनी संपत्ति की जानकारी एक क्लिक में देख सकेंगे। यह पहल भूमि विवादों को कम करने, संपत्ति अधिकारों को सुनिश्चित करने और सुव्यवस्थित नगरीय विकास को बढ़ावा देने में मददगार होगी।

पुरानी नदियों को पुनर्जीवित करने के लिए संकल्पित हमारी सरकार : जल संसाधन मंत्री

उदयपुर (हिंस)। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि वैदिक काल से ही भारत में वर्षा जल को बांध और एनीकट में रोककर जल भंडारण की परम्परा रही है। अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में हमारी सरकार भी *विकास भी और विरासत भी* ध्येय अनुरूप जल प्रबंधन के लिए तेजी से कार्य कर रही है। रावत सोमवार को उदयपुर शहर में *बांध सुरक्षा, पुनर्वास एवं बांध सुरक्षा अधिनियम, 2021 पर राज्य स्तरीय सम्मेलन* के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान जैसे जल न्यूनता वाले राज्य में बांधों में सहेजी जल की एक-एक बूंद अमृत के समान है। इसी दृष्टि से राज्य सरकार बांधों को राज्य की आर्थिक समृद्धि का सूचक और मानवीय महत्ती आवश्यकता मानते हुए उनके बेहतर प्रबंधन की दिशा में कार्यरत है। जल संसाधन मंत्री ने कहा कि बांधों के निर्माण, रोके गए जल के बेहतर उपयोग के लिए तंत्र विकसित करना और जल ढांचों की सुरक्षा हमारी सरकार के लिए वर्तमान में अति महत्वपूर्ण कार्य हैं। उन्होंने कहा कि जल संचयन, सिंचाई, बिजली उत्पादन, बाढ़ नियंत्रण और पीने के पानी में बांधों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके लिए हमारी सरकार ने प्रथम बजट में ही वाटरग्रिड की सोच को दर्शाया और अब उस दिशा में आगे बढ़ रही है। रावत ने कहा कि बांधों के

जरिए डाउन स्ट्रीम में जल की निरंतरता बनी रहे और स्थानीय नदियां पुनर्जीवित हो, ऐसे सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभियंता निरंतर निगरानी, संभावित दुष्परिणामों की समय पर सही और सटीक जानकारी और उसके निराकरण की एडवांस तैयारी के लिए प्रोफेशनल एप्रोच अपनाएं। सत्र में केंद्रीय जल आयोग के मुख्य अभियंता राकेश कश्यप ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा बांधों को अधिक सुरक्षित बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसमें राजस्थान की भूमिका बड़ी महत्वपूर्ण है। जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता रवि सोलंकी ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी, अभियंता और जल प्रबंधन विशेषज्ञ उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र के बाद *बांध सुरक्षा एवं प्रबंधन में राज्य सरकार का दृष्टिकोण, बांध सुरक्षा अधिनियम के क्रियान्वयन में चुनौती व ड्रिप की भूमिका, बेस्ट प्रैक्टिस फॉर डैम सेफ्टी मैनेजमेंट एट बीसलपुर डैम अंडर ड्रिप, डैम रिहैबिलिटेशन वर्क्स एट माही डैम अंडर ड्रिप* जैसे सत्रों में विशेषज्ञों ने विचार प्रस्तुत किए।

आम लोगों को समर्पित आम बजट देखकर विपक्ष ने साधी चुप्पी : डॉ. वीरेंद्र कुमार

कानपुर (हिंस)। केंद्र सरकार द्वारा पेश किया गया आम बजट विकास की गति को बढ़ावा देने वाला बजट है। इससे देश की छवि बदली है। यह बजट सभी वर्गों खासतौर पर मध्यम वर्गीय लोगों के लिए वरदान है। इसलिए विपक्ष के साथ बजट के खिलाफ बोलने के लिए कोई भी नकारात्मक बात नहीं है। यह बातें सोमवार को केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार खटिक ने कही। केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए आम बजट से आम लोगों को मिलने वाले लाभ और पार्टी की उपलब्धता को गिनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी द्वारा पनकी स्थित आईआईए भवन में इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन सभागार में आयोजित केंद्रीय बजट संगोष्ठी कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार खटिक ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उनके साथ कानपुर सांसद रमेश अवस्थी, विधायक सुरेंद्र मैथानी, नगर अध्यक्ष दीपू पांडेय समेत सहित बड़ी संख्या में उद्यमी, व्यापारी व चार्टर्ड अकाउंटेंट भी मौजूद रहे। उन्होंने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकार आम लोगो के लिए क्या कदम उठा रही है? और क्या लाभकारी योजनाएं चला रही है? इसको आम जनमानस को रूबरू कराने के उद्देश्य से संपूर्ण देश में अलग-अलग स्थानों पर संगोष्ठियां आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह बजट 2013-14 में अनुसूचित

जाति कल्याण वर्ग का बजट 4031 करोड़ रुपए था, जो इस साल बढ़कर 10, 378 करोड़ रुपए का हो गया है। इसी तरह से हमारे देश के अन्नदाताओं को भी ध्यान में रखते हुए किसान क्रेडिट कार्ड ऋण की सीमा तीन लाख रुपए से बढ़ाकर पांच लाख रुपए कर दी गई है। सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग और उद्यमिता को सहायता मानव संसाधन विकास उर्जा एवं संरचना विकास जल मिशन जैसी योजनाओं का विस्तार 2028 तक किया गया है। स्वास्थ्य क्षेत्र में ग्यारह सरकारी मेडिकल कॉलेज का नवीनीकरण और 27 नए मेडिकल कॉलेज की स्थापना को मंजूरी दी गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग विकास के तहत अब तक उत्तर प्रदेश में 7554 किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया जा चुका है। रेलवे विकास में 157 स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है और नौ वंदे भारत ट्रेनों का संचालन भी शुरू हो चुका है।

बीपीएससी 70 वीं पीटी परीक्षा को रद्द कराने सड़कों पर उतरे छात्र, खान सर ने कहा री-एग्जाम होकर रहेगा

पटना (हिंस)। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) द्वारा बीते 13 दिसंबर 2024 को संपन्न हुई 70 वीं प्रारम्भिक परीक्षा (पीटी) को दोबारा कराने की मांग को लेकर आज पटना की सड़कों पर छात्रों ने जोरदार प्रदर्शन किया। आज के विरोध प्रदर्शन को मशहूर शिक्षक खान सर ने भी समर्थन दिया। शिक्षक खान सर ने छात्रों के समर्थन में गर्दनीबाग धरनास्थल पर छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि ऐसा नहीं है कि सरकार ने हमारी बात अभी तक नहीं सुनी है तो आगे भी नहीं सुनेगी। निश्चित तौर पर री-एग्जाम होकर रहेगा। हाईकोर्ट में जो हमने सबूत रखा है, वो इतना मजबूत सबूत है कि हाईकोर्ट ही री-एग्जाम करने का निर्णय देगी। अभ्यर्थियों को बस इसलिए आज सड़क पर लाया गया है ताकि सरकार पर दबाव रहे कि जो बच्चों के पक्ष में सबूत है। उसे प्रस्तुत करें। सरकारी वकील बच्चों की बात उठाएं। भ्रष्ट हो चुके संस्था को बचाया ना जाए। संयुक्त सचिव का भी ट्रांसफर होना चाहिए। दस साल से एक ही जगह पड़े हैं। 70वीं बीपीएससी पीटी परीक्षा में बड़े पैमाने पर धांधली की गई है। उन्होंने दावा किया था कि उनके हाथ ऐसा सबूत लगा है कि पटना हाई कोर्ट को री-एग्जाम का फैसला लेना ही पड़ेगा। खान सर ने दावा किया था कि 13 दिसंबर को हुई परीक्षा के लिए तीन सेट बनाए गए थे। एक सेट का इस्तेमाल करने के बाद बाकी सेट को ट्रेजरी में जमा करना था लेकिन नवादा और गया ट्रेजरी में प्रश्न पत्र जमा नहीं किए गए। खान सर ने कहा कि हमारी मांग गलत नहीं है। हम सिर्फ री-एग्जाम चाहते हैं। परीक्षा में धांधली हुई है और

सरकार के हित में दोबारा परीक्षा कराना जरूरी है। अगर सरकार 2025 के चुनाव में नाराजगी से बचना चाहती है, तो अधिकारियों के दबाव में बिना आए सही फैसला ले। री-एग्जाम नहीं होने पर सरकार को चुनाव में इसका खामियाजा भुगतना होगा। उन्होंने कहा कि बीपीएससी के *रवि मनु भाई परमार को कुर्सी से उतार कर रहेंगे*। इससे पहले भी खान सर ने दावा किया था कि बापू परीक्षा केंद्र की जो परीक्षा 4 जनवरी को दोबारा ली गई उसके लिए नए सेट तैयार नहीं किए गए थे बल्कि नवादा और गया ट्रेजरी में जो प्रश्न पत्र जमा नहीं कराए गए थे उसी पुराने पेपर को छात्रों को दे दिया गया था। उन्होंने कहा था कि उनके पास ऐसा सबूत है, जिससे हाई कोर्ट में छात्रों की जीत तय है और कोर्ट को री-एग्जाम का आदेश देना ही पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि बीते 13 दिसंबर 2024 को 70वीं बीपीएससी पीटी परीक्षा में बड़े पैमाने पर धांधली के आरोप लगे थे। पटना के बापू परीक्षा केंद्र पर छात्रों ने धांधली का आरोप लगाते हुए परीक्षा को रद्द कर फिर से री एग्जाम की मांग की थी। मामले को लेकर खूब हंगामा हुआ लेकिन बीपीएससी ने दोबारा परीक्षा लेने से सीधे तौर पर इनकार कर दिया। जिसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट से लेकर हाई कोर्ट तक मामले को ले जाया गया। फिलहाल पटना हाई कोर्ट में इस मामले की सुनवाई चल रही है।

महाकुंभ : 54 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

महाकुंभ नगर (हिंस)। महाकुंभ में सोमवार की सायं 4 बजे तक 54 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगा कर रिकार्ड बनाया है। यह महाकुंभ महाशिव रात्रि तक चलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि अपनी संस्कृति और परंपराओं को सम्मान देकर किस तरह देश की एकता और आर्थिकी को प्रोत्साहित किया जा सकता है, यह महाकुंभ के अवसर पर सहज ही अनुभव किया जा सकता है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि महाकुंभ में अब तक 53 करोड़ श्रद्धालु संगम में आस्था की पावन डुबकी लगा चुके हैं। अगले 9 दिन तक यह उत्सव इसी रूप में चलेगा। यही भारत की पोटेंशियल है। भारत की आस्था को यदि सम्मान दिया गया होता तो भारत और भी ऊंचाइयों को प्राप्त किया होता। उन्होंने कहा कि 2013 में प्रयागराज कुंभ में 55 दिन के आयोजन में 12 करोड़ श्रद्धालु आए थे। 2019 में अर्धकुंभ को हमने कुंभ के रूप में आयोजित किया, तब लगभग 24 करोड़ श्रद्धालु आए थे। इस बार प्रयागराज महाकुंभ में 45 दिन के आयोजन में बीते 36 दिन में 53 करोड़ श्रद्धालु आ चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 35 दिन के अंदर 40 रूटीन के साथ फ्लाइट के साथ ही 700 से अधिक चार्टर उतरे हैं। रेलवे को प्रतिदिन सैकड़ों मेला स्पेशल रेल चलानी पड़ रही है। परिवहन निगम की 14 हजार बसों का बेड़ा चल रहा है। उन्होंने बताया कि 28 से 30 जनवरी तक 15 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। 28 को लगभग साढ़े पांच करोड़, 29 जनवरी को लगभग आठ करोड़ व 30 जनवरी को ढाई करोड़ श्रद्धालु आए थे। केंद्र व राज्य सरकार ने अपने स्तर पर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराईं। इंफ्रास्ट्रक्चर-कनेक्टिविटी अच्छी हो, मेले का विस्तार हो, संगम में जल की प्रचुर मात्रा हो। इस पर पहले से एक्सरसाइज की गई।

श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जिला प्रशासन ने जोगबनी स्टेशन में की पहल

अररिया (हिंस)। प्रयागराज में महाकुंभ मेला जाने के लिए जोगबनी रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं की उमड़ रही भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जिला प्रशासन ने पहल शुरू की। सोमवार को डीएम अनिल कुमार, एसपी अंजनी कुमार अन्य अधिकारियों के साथ जोगबनी स्टेशन पहुंचे और वहां पर सबसे पहले श्रद्धालुओं के लिए किए गए व्यवस्था का जायजा लिया। जिसके बाद मौजूद रेलवे केअधिकारी, आरपीएफ, जीआरपी, एसएसबी और नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। डीएम अनिल कुमार और एसपी अंजनी कुमार ने महाकुंभ मेला जाने के लिए उमड़ने वाली जोगबनी रेली स्टेशन पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए क्राउड मैनेजमेंट करने का निर्देश दिया। जिसके तहत रेलवे स्टेशन परिसर से प्लेटफार्म में प्रवेश और निकासी के लिए एक स्थान सुनिश्चित करते हुए प्रवेश स्थल को घुमावदार करने का निर्देश दिया गया। रेलवे स्टेशन पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती के साथ ही नगर परिषद की ओर से भीड़ को नियंत्रित करने के लिए वॉलेंटियर की

प्रतिनियुक्ति, एसएसबी की एक कंपनी की प्रतिनियुक्ति और एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई। साफ सफाई के लिए नगर परिषद की ओर से सफाई कर्मी और कर्मचारियों की तैनाती करने का निर्देश दिया गया साथ ही स्टेशन पर एक मेडिकल टीम की प्रतिनियुक्ति की गई। रेलवे स्टेशन परिसर में प्रतीक्षा के लिए यात्री शेड के साथ चलत शौचालय और सुरक्षा व्यवस्था का निर्देश जोगबनी नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी मिनाक्षी कुमारी को निर्देशित किया गया। मौके पर डीएम एसपी के अलावा जोगबनी थानाध्यक्ष राजीव कुमार आजाद, एसएसबी जोगबनी कैंप प्रभारी पशुपति सिंह, नगर परिषद की कार्यपालक पदाधिकारी मीनाक्षी कुमारी, स्टेशन प्रबंधक कमल बासुकी, माल बाबू अक्षय सिंह समेत जीआरपी और आरपीएफ के अधिकारी मौजूद थे।

भ्रष्टाचार के आरोप में मुक्तसर साहिब के जिला उपायुक्त निलंबित

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए मुक्तसर साहिब के जिला उपायुक्त को निलंबित करते हुए विजिलेंस ब्यूरो को जांच सौंप दी है। राज्य में आईएएस अधिकारी के विरुद्ध हुई कार्रवाई के बाद अफसरशाही में चर्चा हो रही है। मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि मुख्यमंत्री ने हालही में अधिकारियों को और अधिक जवाबदेह व कार्यकुशल बनाने के लिए प्रत्येक डिप्टी कमिश्नर, एसएसपी, एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, एसपी, डीएसपी, एसएचओ और अन्य फील्ड अधिकारियों/कर्मचारियों को इस संबंध में निर्देश दिए थे। सरकार ने उक्त कैडर के अधिकारियों व कर्मचारियों के बारे में न केवल आम लोगों से, बल्कि चुने हुए प्रतिनिधियों, संसद सदस्यों और विधायकों से भी फीडबैक लिया जाएगा। यह आदेश भी दिए थे कि फीडबैक के अनुसार अधिकारियों के लिए अपने आप पुरस्कार और सजाएं निर्धारित होंगी। इसी तरह लोगों के फीडबैक के आधार पर राज्य सरकार ने मुक्तसर साहिब के जिला उपायुक्त राजेश त्रिपाठी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। सरकार को डिप्टी कमिश्नर के खिलाफ भ्रष्टाचार की गंभीर शिकायतें मिली थीं, जिसके बाद अधिकारी के खिलाफ गहन जांच की गई। प्रारंभिक जांच के आधार पर सरकार ने डिप्टी कमिश्नर मुक्तसर साहिब को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है। डिप्टी कमिश्नर को उनके पद से हटाते हुए उनके खिलाफ विजिलेंस जांच के भी आदेश दिए गए हैं। पंजाब सरकार ने वर्ष 2015 बैच के आईएएस अभिजीत कपलीश को मुक्तसर साहिब का नया उपायुक्त नियुक्त किया है।

सर्राफा बाजार में कमजोरी का रुख, सोना-चांदी के भाव में मामूली गिरावट

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। की कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 86,060 रुपये से लेकर 86,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 78,890 रुपये से लेकर 79,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी मामूली गिरावट दर्ज की गई है। इस कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,00,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 86,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,060 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 78,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 86,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 78,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 86,060 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 78,890 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 86,060 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 78,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 86,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 86,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 78,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 86,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 86,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 78,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

वीवो टी4एक्स 5जी में दमदार बैटरी के साथ दमदार परफॉर्मेंस

नई दिल्ली। वीवो भारत में अपना नया स्मार्टफोन वीवे व्ही50 लॉन्च करने वाला है। इसी बीच कंपनी ने अपनी टी सीरीज के नए फोन वीवो टी4एक्स 5जी को टीज करना शुरू कर दिया है। टीजर के मुताबिक, यह फोन अपने सेगमेंट में सबसे बड़ी बैटरी ऑफर कर सकता है, जो 6500एमएएच की हो सकती है। इसके अलावा, फोन की कीमत 15 हजार रुपये से कम हो सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह डिवाइस 20 फरवरी को भारत में लॉन्च होगा। हाल में आई एक लीक में दावा किया गया था कि वीवो टी4एक्स 5जी में कंपनी डाइमेंसिटी 7300 चिपसेट देने वाली है। इसके अलावा, फोन डायनामिक लाइट और नोटिफिकेशन एलईडी के साथ आ सकता है। यह स्मार्टफोन प्रॉन्टो पर्पल और मरीन ब्लू कलर ऑप्शंस में उपलब्ध होगा। माना जा रहा है कि यह वीवो टी3 एक्स 5जी का सक्सेसर होगा। वीवो टी3 एक्स 5जी में 6.72 इंच का फुल एचडी और आईपीएस एलसीडी डिस्प्ले दिया गया था, जो 120एचजेड रिफ्रेश रेट और 1000 निट्स पीक ब्राइटनेस को सपोर्ट करता है। फोटोग्राफी के लिए इसमें 50एमपी+2एमपी का डुअल रियर कैमरा और 8एमपी सेल्फी कैमरा था। फोन में 6000एमएएच बैटरी के साथ 44 डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट भी मिला था। अब देखना होगा कि वीवो टी4 एक्स 5जी में और कौन-कौन से फीचर्स जोड़े जाते हैं और यह मार्केट में क्या धमाल मचाता है।

राजस्थान सरकार ने गठित किया 200 करोड़ रुपये का ई-व्हीकल प्रमोशन फंड

जयपुर। प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने और आमजन को राहत देने के लिए राजस्थान सरकार ने नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति के तहत 200 करोड़ रुपये का ई-व्हीकल प्रमोशन फंड गठित किया है। परिवहन विभाग के अनुसार, इस योजना का लाभ केवल उन्हीं वाहनों को मिलेगा जो राजस्थान में खरीदे और पंजीकृत किए जाएंगे। इस नीति के तहत 1 सितंबर 2022 से खरीदे और पंजीकृत किए गए इलेक्ट्रिक वाहनों पर स्टेट जीएसटी राशि का पुनर्भरण और एकमुश्त अनुदान दिया जाएगा। सब्सिडी के लिए सबसे पहले वाहन निर्माता को फेम-2 पॉलिसी के तहत विभागीय पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। वाहन मालिकों को अपने वाहन का पंजीकरण क्रमांक और चेसिस नंबर दर्ज करना होगा, जिसके बाद ओटीपी के माध्यम से सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद बैंक खाते का विवरण और आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर आवेदन जमा करना होगा। अनुदान राशि सीधे वाहन स्वामी के खाते में हस्तांतरित की जाएगी। इस योजना के तहत हर श्रेणी के वाहनों की एक तय सीमा के अनुसार प्रोत्साहन दिया जाएगा। सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद वाहन का मॉडल, बैटरी का प्रकार और क्षमता पोर्टल पर दर्ज करनी होगी, जिसके बाद खरीदार अनुदान राशि के लिए आवेदन कर सकेंगे।

मारुति सुजुकी के लोकप्रिय मॉडल डिजायर की कीमतों में बढ़ोतरी

नई दिल्ली। अपने लोकप्रिय मॉडल डिजायर की कीमतों में मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने बढ़ोतरी कर दी है। नई डिजायर की शुरुआती कीमत रुपए 6.79 लाख (एक्स-शोरूम) थी, लेकिन फरवरी 2025 में इसके कुछ वेरिएंट्स के दाम रुपए 5,000 से रुपए10,000 तक बढ़ा दिए गए हैं। वीएक्सआई एएमटी और झेडएक्सआई एएमटी वेरिएंट्स की कीमतों में रुपए 10,000 की वृद्धि हुई है, जबकि अन्य वेरिएंट्स की कीमतें रुपए 5,000 तक बढ़ी हैं। नई डिजायर को अपडेटेड डिजाइन और एडवांस फीचर्स के साथ बाजार में उतारा गया है। यह कार सात कलर ऑप्शंस में उपलब्ध है, जिनमें गालांट रेड, पर्ल आर्टीक व्हाइट, स्पलेंडिड सिल्वर, मेग्मा ग्रे, ब्लूनिस ब्लैक, नटमेग ब्राउन और अल्लूरिंग ब्ल्यू शामिल हैं। इसमें एलईडी हेडलाइट्स, डुअल-टोन इंटीरियर, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, रियर एसी वेंट्स, 360-डिग्री कैमरा, वायरलेस चार्जर और इलेक्ट्रिक सनरूफ जैसे फीचर्स दिए गए हैं। नई डिजायर में झेड12ई इंजन दिया गया है, जो 82 हॉर्सपावर और 112 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है।

एपीडा ने ऑस्ट्रेलिया को भारतीय अनार की पहली समुद्री खेप भेजने में मदद की

नई दिल्ली

भारत के कृषि निर्यात के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने एग्रोस्टार और केबी एक्सपोर्ट्स के साथ मिलकर समुद्र के रास्ते ऑस्ट्रेलिया को क्रमश: प्रीमियम सांगोला और भगवा अनार की भारत की पहली वाणिज्यिक परीक्षण खेप सफलतापूर्वक पूरी की। यह भारतीय ताजा उपज के लिए बाजार पहुंच का विस्तार करने में एक बड़ी सफलता है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार भारतीय अनार के निर्यात के लिए बाजार तक पहुंच प्राप्त करने के बाद फरवरी 2024 में ऑस्ट्रेलिया को अनार के निर्यात के लिए एक कार्य योजना और मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) पर हस्ताक्षर किए गए। एपीडा और राष्ट्रीय पौध संरक्षण संगठन (एनपीपीओ) द्वारा सफल बाजार पहुंच सुविधा के बाद जुलाई 2024 में पहली हवाई शिपमेंट हुई। हवाई शिपमेंट ने बाजार की मांग का आकलन करने में मदद की, जिसके कारण लागत दक्षता को अनुकूलित करने के लिए समुद्री शिपमेंट का अनुसरण किया गया।

पहली समुद्री माल ढुलाई शिपमेंट 6 दिसंबर, 2024 को भारत से रवाना हुई और 13 जनवरी, 2025 को सिडनी पहुंची, जिसमें महाराष्ट्र के सोलापुर क्षेत्र से प्राप्त 5.7 मीट्रिक टन (एमटी) अनार थे। इन्हें 1,900 बक्सों में पैक किया गया था, जिनमें से प्रत्येक में 3 किलोग्राम प्रीमियम फल थे। भगवा किस्म के 1,872 बक्से (6.56 टन) ले जाने वाला एक और वाणिज्यिक समुद्री शिपमेंट 6 जनवरी, 2025 को ऑस्ट्रेलिया के ब्रिसबेन पहुंचा। बल्क समुद्री शिपमेंट के उपयोग ने प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण सुनिश्चित किया, किसानों को लाभ पहुंचाया और स्थायी व्यापार के अवसर पैदा किए। दोनों शिपमेंट को भारत की ट्रेसेबिलिटी प्रणाली अनारनेट (ह्रत्रहश्वङ्ग) में एकीकृत किया गया, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित हुई और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उपभोक्ता का विश्वास बना। यह सफल निर्यात न केवल वैश्विक गुणवत्ता मानकों को पूरा करने में भारत की क्षमताओं को रेखांकित करता है, बल्कि नए राजस्व स्रोतों को खोलकर भारतीय किसानों को महत्वपूर्ण बढ़ावा भी देता है। अनार को सिडनी, ब्रिसबेन और मेलबर्न में अत्यधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव ने इस बात पर जोर दिया कि भारत का कृषि निर्यात परिदृश्य अभूतपूर्व गति से बढ़ रहा है, जिसमें ताजे फलों का निर्यात साल-दर-साल 29प्रतिशत बढ़ रहा है।

ट्रंप प्रशासन के टैरिफ प्रभाव पर भारतीय निर्यात की उम्मीदें

नई दिल्ली। व्यापार प्रतिबंधों के चिंताओं के बावजूद, भारतीय निर्यात पर अमेरिका के द्वारा लगाए गए टैरिफ का प्रभाव अब न्यूनतम रहने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के 15-20 फीसदी के टैरिफ के बावजूद भारतीय निर्यात में केवल 3-3.5 फीसदी की कमी होने का अनुमान है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय निर्यात में रणनीतिक विविधता और नए व्यापार मार्गों की खोज के द्वारा इस प्रभाव का संभावित प्रभाव भरपूर रहेगा। भारत की निर्यात रणनीति लगातार विकसित हो रही है और देश विभिन्न क्षेत्रों में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रहा है। टैरिफ संरचनाओं में परिवर्तन देश की व्यापार नीति को मजबूत कर रहा है और भारतीय सामान वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाए रखने के लिए उत्पादों के मूल्य को बढ़ाने में मदद कर रहा है। इसके अतिरिक्त, भारत अमेरिका, यूरोप और मध्य पूर्व के साथ वैकल्पिक व्यापार मार्गों पर भी काम कर रहा है जो देश की रसद लागत कम कर सकता है और अंतराष्ट्रीय व्यापार में उसकी स्थिति को मजबूत कर सकता है। नई आपूर्ति श्रृंखला विकसित होने से भारत के निर्यात में वृद्धि की उम्मीद है और व्यापार मार्गों की नई खोज ने देश को सुरक्षित रखने में मदद की है। समर्थन और निर्यात प्रौद्योगिकियों के प्रयासों से, भारत अपनी निर्यात क्षमता में वृद्धि कर सकता है और अमेरिका के टैरिफ खत्म होने का उम्मीदवार बन सकता है। इससे देश की आर्थिक वृद्धि और उत्कृष्टता में सुधार हो सकता है, साथ ही व्यापारिक मुद्दों का भी समाधान हो सकता है।

आधुनिक फीचर्स से लैस है मार्वल इलेक्ट्रिक स्कूटी

नई दिल्ली

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी मंत्रा की मार्वल इलेक्ट्रिक स्कूटी बेहतरीन विकल्प है, जो न केवल सस्ती है बल्कि आधुनिक फीचर्स से भी लैस है। यह इलेक्ट्रिक स्कूटी 60 वोल्ट की लेड-एसिड बैटरी के साथ आती है, जो 6 से 7 घंटे में पूरी तरह चार्ज हो जाती है और एक बार चार्ज करने पर 100 किलोमीटर तक चल सकती है। इसकी अधिकतम स्पीड सीमित है, जिससे यह सुरक्षित और किफायती साबित होती है। इस स्कूटी की कीमत मात्र 48,000 रुपये रखी गई है, जिससे यह बजट फ्रेंडली विकल्प बन जाती है। मार्वल स्कूटी में स्टाइलिश ब्लैक लोडर, एलईडी लाइट, डिजिटल डिस्प्ले, दोनों तरफ पायदान और पीछे कैरियर दिया गया है, जिससे इसमें सामान रखना आसान हो जाता है। इसके अलावा, इसमें विशेष ब्रेकर लगाए गए हैं, जिससे टायरों से उछलने वाली मिट्टी मुख्य बॉडी तक नहीं पहुंचती।

इस स्कूटी का चार्जिंग पॉइंट भी बेहद सरल बनाया गया है, जिससे इसे कोई भी आसानी से चार्ज कर सकता है। अगर आप कम कीमत में एक किफायती और शानदार इलेक्ट्रिक स्कूटी की तलाश में हैं, तो मंत्रा की यह स्कूटी बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती है।

होम लोन पर ब्याज के खिलाफ एसआईपी का फॉर्मूला

मुंबई। आरबीआई के रेपो दर घटाने के बाद से कई बैंकों ने ब्याज दरों में कटौती की है। यह उन लोगों के लिए भी बड़ी राहत है, जो पहली बार मकान खरीदने की योजना बना रहे हैं। अगर आप भी होम लोन लेकर मकान खरीदना चाहते हैं, तो तय करें कि किस ब्याज दर पर कितने साल के लिए कितना कर्ज लेना है। इस बात की भी गणना करें कि ऋण अवधि के दौरान आपको अपने कर्ज पर कितना ब्याज चुकाना होगा। गणना करने पर यह समझ में आ जाएगा कि आप जितना कर्ज ले रहे हैं, उससे ज्यादा आपको ब्याज चुकाना पड़ेगा। ब्याज के रूप में होने वाले इस नुकसान की भरपाई के लिए आप एसआईपी के 15 फीसदी फॉर्मूले का इस्तेमाल कर सकते हैं। पूरी कर्ज अवधि के दौरान चुकाए जाने वाले ब्याज का बोझ कम करने में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) का 15 फीसदी का फॉर्मूला काफी मददगार साबित हो सकता है। आप अपने होम लोन पर जितना ईएमआई चुकाते हैं, उसका 15 फीसदी हर महीने एसआईपी में डालना शुरू कर दें। कर्ज अवधि खत्म होते-होते आपके एसआईपी खाते में ब्याज राशि के बराबर या उससे ज्यादा रकम जमा हो जाएगी। मान लीजिए आपने एसआईपी में अपना मासिक योगदान बढ़ाकर 7,000 रुपये कर दिया। सालाना 12 फीसदी के अनुमानित रिटर्न पर यह योगदान 20 साल में बढ़कर 69,94,035 रुपये हो जाएगा। इसमें 53,14,035 रुपये का अनुमानित रिटर्न भी शामिल है।

कुवैत में इंटरनेशनल इंवेंशन फेयर

कुवैत में इंटरनेशनल इंवेंशन फेयर में भाग लेते हुए यूएई के इंवेंटर्स। इस 15 वें इंटेरनेशनल इंवेंशन फेयर को लेकर मिडिल ईस्ट में जबरदस्त उत्साह है।

बाजार में इलेक्ट्रिक स्कूटी मचा रही धूम

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक स्कूटी भी धूम मचा रही है। हम आपको बताने वाले हैं एक स्कूटी के बारे में जो इलेक्ट्रिक होने के बावजूद भी अधिक वजन वाले समान को ढो सकेगी। तो आईए जानते हैं इस इलेक्ट्रिक स्कूटी की क्या है खासियत और इसकी बाजार में कीमत कितनी है और इसमें कौन-कौन से फीचर्स हैं।

इस इलेक्ट्रिक स्कूटी की खास बात यह है कि इसमें रिवर्स मोड भी उपलब्ध है। यानी कि यह स्कूटी बटन दबाने के बाद पीछे की ओर भी चली जाएगी इसके साथ ही इस स्कूटी को चार्ज होने में मात्र 5 घंटे लगेंगे और एक बार चार्ज करने के बाद लगभग 100 किलोमीटर तक चल सकेगी। वहीं अगर इसकी कीमत की बात की जाए तो यह 96 हजार रुपए की मिल जाएगी। इस स्कूटी में एक विशेष फीचर दिया गया है जिसमें यदि किसी समय स्कूटी खराब हो जाती है तो एक सेटिंग की बटन दी गई है वह सेटिंग को बटन दबाकर आप धीरे-धीरे अपने गंतव्य की ओर जा सकते हैं।

बता दें कि भारत में इलेक्ट्रिक स्कूटी की मांग तेजी से बढ़ रही है और सरकार का भी या प्रयास है कि पर्यावरण को डीजल और पेट्रोल से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जाए। इसके लिए कंपनियां विभिन्न प्रकार के फीचर्स के साथ नई-नई इलेक्ट्रिक वाहन लॉन्च कर रही हैं।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार मामूली बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे थे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी सांकेतिक बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। वहीं, यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उतार चढ़ाव के बीच खरीदारी का रुख बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,117.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.46 प्रतिशत उछल कर 20,037.25 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 44,570. 49 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान उतार-चढ़ाव होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,732.46 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स 0.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,513.42 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,178.54 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.35 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,851 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 2.15 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 1,244.69 अंक के स्तर पर पहुंच गया है।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 39,212.53 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.18 प्रतिशत उछल कर 22,661.90 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 126.73 अंक यानी 1.91 प्रतिशत की बढ़त के साथ 6,765.19 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 303.51 अंक यानी 1.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,456.12 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.46 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,895.44 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 0.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,606.14 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 3,348.85 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

आईपीएल 2025 : ओपनिंग मैच और फाइनल की मेजबानी करेगा ईडन गार्डन्स

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के कार्यक्रम की घोषणा हो गई है। टूर्नामेंट का उद्घाटन मुकाबला 22 मार्च को कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा, जिसमें मौजूदा चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) आमने-सामने होंगे। इसी मैदान पर 25 मई को फाइनल मुकाबला भी आयोजित होगा।

कोलकाता में एक दशक बाद फाइनल - ईडन गार्डन्स लगभग एक दशक बाद आईपीएल फाइनल की मेजबानी करेगा। इससे पहले इस मैदान ने 2013 और 2015 में खिताबी मुकाबलों की मेजबानी की थी। इसके अलावा, यहां 3 मई को क्वालीफायर 2 भी खेला जाएगा।

हैदराबाद को भी मिला प्लेऑफ का मौका - 2024 के उपविजेता सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के घरेलू मैदान को भी प्लेऑफ मुकाबलों की मेजबानी मिली है। क्वालीफायर 1 (20 मई) और एलिमिनेटर (21 मई) हैदराबाद में खेले जाएंगे।

65 दिनों में खेले जाएंगे 74 मैच - आईपीएल 2025 में 12 डबल-हेडर के साथ कुल 74 मुकाबले 65 दिनों में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का पहला डबल-हेडर 23 मार्च को होगा, जिसमें पहला मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच होगा। इसके बाद दिन का सबसे बड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा, जब चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस (एमआई) की प्रतिष्ठित भिड़ंत होगी।

डबल-हेडर में कौन कितने दोपहर के मैच खेलेगा - राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स, लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटंस - 3-3 दोपहर के मैच।

अन्य सात टीमें - 2-2 दोपहर के मैच।

पिछले साल की तरह इस बार भी दोपहर के मैच भारतीय समयानुसार 3:30 बजे शुरू होंगे।

गुवाहाटी, विशाखापत्तनम और धर्मशाला को भी मिली मेजबानी- इस बार भी कुछ टीमों के पास दूसरे घरेलू मैदान होंगे। गुवाहाटी (राजस्थान रॉयल्स) और विशाखापत्तनम (दिल्ली कैपिटल्स) में 2-2 मैच होंगे। धर्मशाला (पंजाब किंग्स) में 3 मुकाबले खेले जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

एएफसी अंडर-20 एशियाई कपः ईरान और उज्बेकिस्तान क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, इराक ने सऊदी अरब को हराया

शेनझेन। एएफसी 20 एशियाई कप 2025 में रविवार को ईरान ने यमन को 6-0 से हराकर ग्रुप सी में शीर्ष स्थान बरकरार रखा, जबकि उज्बेकिस्तान ने इंडोनेशिया पर 3-1 से जीत दर्ज की। लगातार दूसरी जीत के साथ, दोनों टीमों ने क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली, जहां ईरान बेहतर गोल अंतर के चलते शीर्ष पर है। ग्रुप बी में रोमांचक मुकाबले ग्रुप बी में इराक ने सऊदी अरब को 1-0 से हराया, जिसमें अमीर फैसल ने निर्णायक गोल किया। वहीं, इब्राहिम सबरा के दो गोल की बदौलत जॉर्डन ने डीपीआर कोरिया को 2-1 से हराया। इस जीत के साथ इराक चार अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गया, जबकि सऊदी अरब और जॉर्डन तीन-तीन अंकों के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। डीपीआर कोरिया के खाते में अब तक सिर्फ एक अंक है, लेकिन एक मुकाबला बाकी होने के कारण सभी टीमें अब भी क्वार्टर फाइनल की दौड़ में बनी हुई हैं। ग्रुप डी में जापान और दक्षिण कोरिया के मुकाबले इस बीच, ग्रुप डी में जापान और दक्षिण कोरिया अपना दूसरा मैच क्रमशः सीरिया और थाईलैंड के खिलाफ खेलेंगे।

चैम्पियंस ट्रॉफी में अर्शदीप को निशाना बनाये विरोधी टीमें : डेविड लॉयड

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर डेविड लॉयड ने कहा है चैम्पियंस ट्रॉफ में भारतीय टीम को अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की कमी खलेगी। बुमराह पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गये है। लॉयड का मानना है कि बुमराह की अनुपस्थिति विरोधी टीमों के बल्लेबाजों का अर्शदीप सिंह को निशाना बनाना चाहिये। लॉयड के अनुसार बुमराह के नहीं होने पर भारतीय गेंदबाजी आक्रमण कमजोर होगा जिसका लाभ विरोधी टीमों को मिलेगा। टीम के पास केवल एक अनुभवी गेंदबाज मोहम्मद शमी ही हैं। शमी भी लंबे समय के बाद चोट से उबरकर लौटे हैं। ऐसे में वह पहले जैसी गेंदबाजी शायद ही कर पाये। ऐसे में टीम के पास केवल युवा अर्शदीप और हर्षित राणा जैसे गेंदबाह हैं। इन दोनो ने कुल 12 एकदिवीसीय खेले हैं। जिसमें से 9 अर्शदीप ने खेले हैं जबकि हर्षित ने तीन मैच खेले हैं। लॉयड ने आगे कहा, अगर आप विरोध टीम के बल्लेबाज हैं, तो अर्शदीप को निशाना बनाये। आप आक्रमण कर उसे चुनौती दें। यह टी20 क्रिकेट नहीं आपको खेलेने के लिए लंबा समय मिलेगा। अर्शदीप अब तक अधिककतर टी20 मैचों में ही सफल रहे हैं। 63 टी20 मैचों में उनके नाम 99 विकेट हैं। वहीं दूसरी ओर, 9 एकदिवसीय मैचों में अर्शदीप को कुछ ही विकेट मिले हैं।

आकाश चोपड़ा बोले, चैम्पियंस ट्रॉफी हो सकता है इन खिलाड़ियों का अंतिम आईसीसी टूर्नामेंट

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद तीन भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा खेल से संन्यास ले सकते हैं। इन तीनों ने ही पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद टी20 प्रारुप को अलविदा कह दिया था। चोपड़ा का मानना है कि बढ़ती उम्र और खराब फार्म को देखते हुए इन तीनो ही क्रिकेटरों के संन्यास का समय भी करीब आ गया है। ऐसे में उन्हें लगता है कि चैम्पियंस ट्रॉफी तीनो का ही अंतिम आईसीसी टूर्नामेंट होगा। इन क्रिकेटरों को ये अंदाजा है कि भविष्य की योजनाओं का वे हिस्सा नहीं है। ऐसे में ये स्वयं ही युवाओं के लिए जगह खाली कर देंगे। चोपड़ा ने कहा. चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद अगला आईसीसी इवेंट विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल है जिसमें भारतीय टीम नहीं पहुंची है। ऐसे में कोहली, रोहित या जडेजा के पास खेलने का कोई अवसर नहीं है। वहीं अगला आईसीसी इवेंट अगले साल टी20 विश्व कप है और इस प्रारुप से इन्होंने पहले ही संन्यास ले लिया है। इसके बाद 2027 में एकदिवसीय विश्व कप है और तब तक ये तीनो ही 40 के करीब पहुंच जाएंगे और ऐसे में इनके खेलने की कोई संभावना नहीं है। चोपड़ा ने कहा कोहली और जडेजा भले ही अपनी फिटनेस बनाये हुए हैं पर सवाल यह होना चाहिए कि क्या भारत को इन खिलाड़ियों की जरूरत है या उस समय बेहतर विकल्प हैं। अगर है तो हमें उसी दिशा में आगे बढ़ते हुए युवाओं को अवसर देना चाहिये।

दुबई इंटरनेशनल स्टेडिम में पिछली हार का हिसाब बराबर कर पायेगी भारतीय टीम

मुम्बई

भारत और पाकिस्तान के बीच आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में 23 फरवरी को होने वाले मुकाबले का सभी प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस मैच में दोनो ही टीमों के प्रशंसकों की खासी तादाद भी रहेगी। मैच के सभी टिकट पहले ही बिक गये हैं और सभी को उम्मीद है कि उन्हें एक और रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। भारत और पाक का ये मुकाबला दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। ये मैच जिस मैदान पर होने जा रहा है वहीं 2021 में पाक ने जीत हासिल की थी। ऐसे में देखना होगा होगा कि भारतीय टीम पिछल हार का हिसाब बराबर कर पाती है या नहीं। उसे इस बार उतरते समय सावधान रहना होगा क्योंकि उसपर मनोवैज्ञानिक दबाव रहेगा। पाक टीम तब हुए उस मुकाबले में 10 विकेट से जीत थी और उसे किसी आईसीसी विश्वकप में भारतीय टीम के खिलाफ पहली जीत मिली थी। उस मैच में शाहीन शाह अफरीदी ने 3 विकेट विकेट लिए थे जबकि बाबर आजम ने मोहम्मद रिजवान के साथ 152 रन का की साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई थी। तब जसप्रीत बुमराह भी विकेट लेने में विफल रहे थे। भारतीय टीम ने दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में कुल 6 एकदिवसीय खेले हैं जिसमें 5 में उसे जीत मिली है जबकि 1 मैच टाई रहा है। वहीं पाकिस्तान ने दुबई के इस मैदान पर 22 मैचों में से 8 जीते है जबकि 13 में वह हारी है और एक मैच का परिणाम नहीं निकला। पाकिस्तान की टीम ने दुबई में भारत से ज्यादा टी20 मुकाबले खेले हैं , ऐसे में वह मैदानों की अभ्यस्त है। इसमें भी उसका रिकॉर्ड अच्छा रहा है।

चैम्पियंस ट्रॉफी में तीन अहम उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं रोहित

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में तीन अहम उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। रोहित एकदिवसीय क्रिकेट में 11000 रन के आंकड़े के करीब भी हैं। उन्हें यहां तक पहुंचने के लिए केवल 12 रन की जरुरत है! ऐसा करने पर वह सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और विराट कोहली के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे भारतीय बन जाएंगे। उनके पास इस टूर्नामेंट में 50 अंतरराष्ट्रीय शतक पूरे करने का भी मौका होगा। उनके नाम अभी तक 49 शतक हैं। ऐसे में उन्हें केवल एक शतक चाहिये। इसके अलावा रोहित के पास चैम्पियंस ट्रॉफी में सबसे अधिक छक्के मारने का रिकार्ड अपने नाम करने का अवसर भी है। रोहित ने अभी तक 260 पारियों में 338 छक्के लगाये हैं। वह अगर टूर्नामेंट में 12 छक्के और लगाते हैं तो 300 से कम पारियों में 350 छक्के लगाने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। एकदिवसीय क्रिकेट में उनसे ज्यादा छक्के केवल शाहिद अफरीदी के नाम हैं। अफरीदी ने 369 पारियों में 351 छक्के लगाये हैं। वहीं रोहित 527 पारियों में 631 छक्कों के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं।

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज राउफ फिट हुए, न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरुआती मैच खेलने तैयार

कराची

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस राउफ अब फिट हो गये हैं और उनके बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले मैच में खेलने की पूरी संभावनाएं हैं। पाक बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा कि हारिस की मांसपेशियों में हाल में मैं हुई त्रिकोणीय सीरीज के दौरान खिंचाव आ गया था पर अब वह पूरी तरह से ठीक है। साथ ही कहा कि कि त्रिकोणीय सीरीज के पहले मैच के बाद जो आराम उन्हें दिया गया था उसके कारण ही वह अपनी चोट से उबर पाये हैं। साथ ही कहा कि अन्य सभी खिलाड़ी पूरी तरह से फिट हैं। राहुल के फिट होने से टीम प्रबंधन को भी राहत मिली है।

हारिस अपनी तेज गति और बीच के ओवरों में विकेट लेने की क्षमता लिए जाने जाते हैं। इसी कारण टीम के प्रमुख गेंदबाजों में से एक हारिस टीम के साथ बने हुए हैं हालांकि चयनकर्ताओं ने अकिफ जावेद को भी उनके विकल्प के तौर पर तैयार रखा है। हारिस ने 46 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में 83 विकेट और 79 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 110 विकेट लिए हैं। पाक टीम का लक्ष्य अब अपनी धरती पर हो रही चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले मैच में न्यूजीलैंड को हराकर टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत करना रहेगा।

कार्तिक बोले- टी-20 रनों में धोनी आगे निकल जाएंगेःरिकॉर्ड्स मुझे आकर्षित नहीं करते

मुम्बई । कार्तिक ने हाल ही में टी-20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में एमएस धोनी को पीछे छोड़ दिया। पूर्व भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज को यह जानकर आश्चर्य हुआ कि उन्होंने हाल ही में साउथ अफ्रीका के टी-20 लीग एसए20 के दौरान यह माइलस्टोन हासिल किया। कार्तिक ने रविवार को मीडिया से बातचात के दौरान दैनिक भास्कर के सवाल पर कहा, यह जानकर बहुत अच्छा लगा कि मैंने धोनी (माही) को पीछे छोड़ दिया, लेकिन बहुत जल्द ही वे मुझसे आगे निकल जाएंगे। उन्होंने हाल ही में खत्म हुए लीग के तीसरे सीजन में पार्ल रॉयल्स के लिए खेलते हुए 11 मैचों में 144 रन बनाए। इस दौरान वे टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में अपने पूर्व साथी धोनी से आगे निकल गए।

अम्बाराम प्रजापति स्मृति खुली मिनी और सब जूनियर जिला रैंकिंग बैडमिंटन स्पर्धा 23 फरवरी से

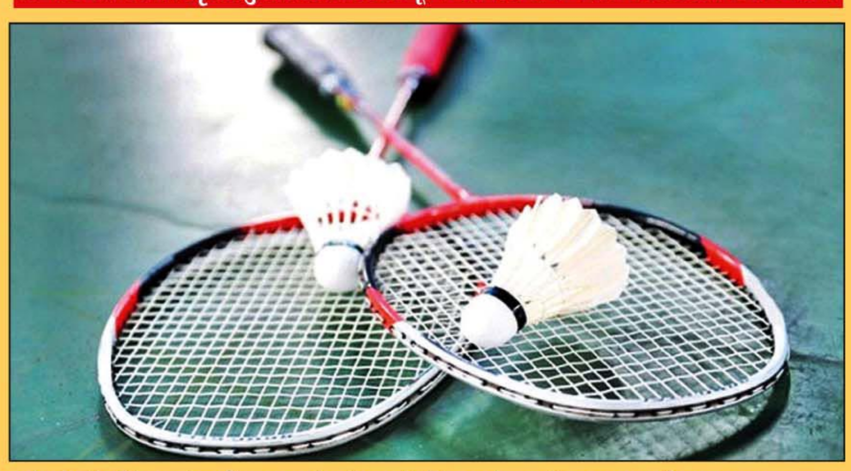

अमेच्योर बैडमिंटन एकेडमी द्वारा इन्दौर जिला बैडमिंटन संगठन के तहत आयोजित अम्बाराम प्रजापति स्मृति खुली मिनी और सब जूनियर जिला रैंकिंग बैडमिंटन स्पर्धा 23 से 25 फरवरी तक होगी। स्पर्धा में 11, 13 और 15 वर्ष बालक और बालिका वर्ग के मुकाबले होंगे।

स्पर्धा सचिव हर्ष सारग और इन्दौर जिला बैडमिंटन संगठन सचिव आर.पी. सिंह नैयर ने बताया कि स्पर्धा में 13 और 15 वर्ष बालक और बालिका वर्ग में एकल के साथ ही युगल मुकाबले भी होंगे। स्पर्धा में आकर्षक इनाम दिए जाएंगे। दो सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। स्पर्धा के लिए प्रविष्टियां 21 फरवरी तक स्पर्धा सचिव हर्ष सारग, संगठन सह सचिव धर्मेश यशलहा, कोषाध्यक्ष विशाल चांदवानी, शिवाजी नंदवानी आदि को दी जा सकती हैं।

यह इस साल की दूसरी इन्दौर जिला रैंकिंग बैडमिंटन स्पर्धा हैं। पहली स्पर्धा इसी माह सरताज अकादमी ने नेहरु स्टेडियम बैडमिंटन हाल में विधायक ट्राफी 66वीं सरताज खुली बैडमिंटन स्पर्धा आयोजित की थी। यह स्पर्धा इन्दौर जिला टीम चयन आधार भी होगी।

जोआओ फोंसेका ने अर्जेंटीना ओपन जीतकर रचा इतिहास

नई दिल्ली

ब्राजील के युवा टेनिस खिलाड़ी जोआओ फोंसेका ने रविवार को अर्जेंटीना ओपन के फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए घरेलू दावेदार फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को सीधे सेटों में 6-4, 7-6(1) से हराकर एटीपी टूर पर अपना पहला खिताब जीता।

18 वर्षीय फोंसेका 2006 में जन्मे पहले खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने एटीपी टूर खिताब जीता। साथ ही, वह 1990 के बाद एटीपी खिताब जीतने वाले सबसे युवा दक्षिण अमेरिकी खिलाड़ी भी बन गए हैं।

कठिन मुकाबले में दिखाई मजबूती

दुनिया के 99वें नंबर के फोंसेका ने विश्व नंबर 28 और पांचवीं वरीयता प्राप्त सेरुंडोलो के खिलाफ जबरदस्त खेल दिखाया। फोंसेका ने मुकाबले के दौरान दो बार सर्विस गंवाई, लेकिन टाई-ब्रेक में शानदार वापसी कर जीत दर्ज की।

उन्होंने इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में मारियानो नवोन के खिलाफ दो मैच प्वाइंट बचाकर जीत दर्ज की थी।

अविश्वसनीय सप्ताह - फोंसेका

जीत के बाद फोंसेका ने कहा, यह मेरे लिए अविश्वसनीय सप्ताह रहा है। अर्जेंटीना में भी कुछ ब्राजीलियाई लोग मुझे समर्थन दे रहे थे, जो शानदार था।

उन्होंने आगे कहा, बेशक, मैं नंबर 1 बनना चाहता हूं और ग्रैंड स्लैम जीतना चाहता हूं, लेकिन मेरा असली सपना सिर्फ टेनिस खेलना है और मैं इसे जी रहा हूं।

लगातार शानदार प्रदर्शन

फोंसेका के लिए यह खिताब बेहद खास है, क्योंकि एक साल पहले उन्होंने रियो डी जनेरियो में एटीपी 500 टूर्नामेंट में वाइल्डकार्ड एंट्री के जरिए अपना टूर-स्तरीय मुख्य ड्रॉ पदार्पण किया था, जब उनकी रैंकिंग 655वीं थी।

इसके बाद उन्होंने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 2023 जूनियर यूएस ओपन जीता और नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स में खिताबी जीत हासिल की।

2025 सीज़न की शुरुआत उन्होंने कैनबरा चैलेंजर खिताब के साथ की और फिर ऑस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ में क्वालीफाई करते हुए विश्व नंबर 9 एंड्रे रुबलेव को हराकर सनसनी फैला दी।

एटीपी रैंकिंग में बड़ी छलांग

अर्जेंटीना ओपन खिताब जीतने के साथ ही फोंसेका अब एटीपी रैंकिंग में 68वें स्थान पर पहुंच जाएंगे और शीर्ष रैंकिंग वाले ब्राजीलियाई खिलाड़ी बन जाएंगे।

आई.के. कॉलेज के छात्र औरंगजेब को 38वें राष्ट्रीय खेलों (कुश्ती) में कांस्य पदक

इन्दौर

औरंगजेब खान ने उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने वेट कैटिगरी 77 किग्रा ग्रीको-रोमन कुश्ती में उत्तराखंड के पुष्कर को हराकर कांस्य पदक प्राप्त किया है।

उनकी इस उपलब्धि पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी बधाई दी और कहां है कि की राष्ट्रीय खेलों की कुश्ती प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर मध्य प्रदेश का नाम रोशन किया है। इस्लामिया करीमिया समिति के अध्यक्ष इरफान मुल्तानी, शफीक मुल्तानी, अलानूर मुल्तानी, साबिर शाह, डॉ. जाकिर हुसैन, डॉ. रफीक खान, रेहान खान और समस्त स्टाफ एवं समस्त खिलाड़ियों ने उनको बधाई दी है और उनके भविष्य की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

इस्लामिया करीमिया महाविद्यालय के प्रिंसिपल डॉ. जाकिर हुसैन ने कहा कि हम औरंगजेब की उपलब्धि पर गर्व महसूस करते हैं और उनके कांस्य पदक जीतने पर बधाई देते हैं। यह हमारे कॉलेज के लिए एक गौरवशाली पल है और हमें औरंगजेब का हमारे कॉलेज का हिस्सा होने पर गर्व है। उनकी उपलब्धि पर खुश होकर यह कामना करते हैं कि वह जल्द ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करे और शहर के साथ ही प्रदेश का नाम रोशन करे।

चैम्पियंस ट्रॉफी में फखर और बाबर से रहना होगा भारतीय टीम को सावधान

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम 19 फरवरी से शुरु हो रही आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दुबई पहुंच गयी है। यहां भारतीय टीम को 23 फरवरी को पाकिस्तान से अहम मुकाबला खेलना है। ऐसे में भारतीय टीम पिछली बार हुए चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल की यादों को भूलना चाहेगी। तब पाक टीम के फखर जमां और बाबर आजम के कारण भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। इस बार भी ये दोनो ही खिलाड़ी पाक टीम में हैं जिनसे भारतीय टीम को निपटना होगा। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि ये इस बार अपने पहले वाले फार्म में नजर नहीं आ रहे। ऐसे में विराट कोहली की कप्तानी में मिली हार का हिसाब रोहित शर्मा की टीम लेना चाहेगी। पिछली बार बाबर आजम, फखर जमां और फहीम अशरफ ने पाक टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस बार भी ये तीनो ही पाक टीम में शामिल हैं। बाबर आजम ने 2017 के फाइनल में 52 बॉल पर 46 रन की अहम पारी खेली थी। तब पाक टीम ने 338 रन बनाये थे। वहीं फखर जमां ने शतकीय पारी खेली थी। जिससे पाक टीम 338 रन बनाने में सफल रही थी।

अनोखा बैंक! पैसे नहीं, देता है रोटी

अजंता-एलोरा की गुफाओं के लिए मशहूर औरंगाबाद शहर में एक ऐसे रोटी बैंक की शुरूआत हुई है जहां लोग रोटी जमा करते हैं और गरीब लोग वहां से मिली रोटी से अपना पेट भरते हैं। यह रोटी एकदम ताजी होती है। यही नहीं यहां रोटी के अलावा वेजिटेरियन और नॉन वेजिटेरियन डिशेज भी मिलती हैं। यूपी में 5 दिसंबर को रोटी बैंक की शुरूआत की गई थी। यह देश का पहला रोटी बैंक है इसके बाद झारखंड में भी इस तरह के बैंक की शुरूआत की गई। अब महाराष्ट्र के औरंगाबाद में खुला यह रोटी बैंक भारत का तीसरा ?सा बैंक है। उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड में देश के पहले रोटी बैंक की शुरूआत करने वाले (एचआईएमसी) हरून मुक्ति इस्लामिक सेंटर के फाउंडर युसुफ मुक्ति बताते हैं कि उन्होंने सालों से गरीबों को सड़कों पर भीख मांगकर खाते देखा है।

रोजाना एक नाशपाती खाने से कम होगा मोटापा

रोजाना एक नाशपाती के सेवन से 35 फीसदी मोटापा कम हो सकता है। हम यह सुनते रहे हैं कि रोज एक सेब खाने से डॉक्टर को दूर कर सकते हैं। रोजाना एक नाशपाती खाने से वजन कम होता है। वयस्क लोगों में नाशपाती के सेवन के बाद पोषक तत्वों की खुराक, पोषक तत्वों की पर्याप्तता, डायट की गुणवत्ता और हृदय संबंधी रोगों के खतरे का विश्लेषण किया गया है।

अच्छी दृष्टि के लिए मैकुलर पिगमेंट

कुछ सजगताएं बरतकर मैकुलर पिगमेंट को स्वस्थ रखकर नेत्रदृष्टि को अच्छी तरह बरकरार रखा जा सकता है... आंख कैमरे की तरह होती है। कैमरे की रील की तरह आंख के परदे को रेटिना कहते हैं। रेटिना का सबसे महत्वपूर्ण केंद्रीय भाग मैकुला ल्यूटिया कहलाता है। अच्छी दृष्टि के लिए मैकुला का स्वस्थ रहना अत्यावश्यक है।

मैकुला के अंदर एक विशेष पिगमेंट पाया जाता है, जिसे मैकुलर पिगमेंट कहते हैं। इस पिगमेंट के विशेष प्रकार हैं। जैसे ल्यूटीन एन्ड जिया जैनथिन। ये पिगमेंट प्रकाश तरंगों को रासायनिक प्रक्रिया से होते हुए ऐसी विद्युत तरंगों में परिवर्तित कर देते हैं, जिन्हें नसों द्वारा दिमाग तक संप्रेषित किया जा सके। आंखें फोटो खींचती हैं और दिमाग देखता है।

पिगमेंट का महत्व

मैकुलर पिगमेंट अगर नहीं होगा, तो हमें दिखना बंद हो जाएगा। इस पदार्थ की सांद्रता (डेन्सिटी)को अब नापा जा सकता है। इसे मैकुलर पिगमेंट ऑप्टिकल डेन्सिटी की सांद्रता कम हो जाए, तो तरंग परिवर्तन रुक जाएगा और हमारी दृष्टि का केंद्रीय भाग (सेंट्रल एरिया) ही काम नहीं कर सकेगा।

खाने पर दें विशेष ध्यान

अगर हम अपने भोजन में कुछ पदार्थों जैसे ल्यूटीन एन्ड जिया जैनथिन का सेवन करें, तो ये मैकुलर पिगमेंट के स्वास्थ्य के लिए बेहतर होगा। मक्का (कॉर्न) ल्यूटीन का सबसे अच्छा स्रोत है। इसी प्रकार संतरा जिया जैनथिन का उत्तम स्रोत पाया गया है। अगर हम भोजन में हरे पत्तों वाली सब्जियों और रंगदार फलों का सेवन करें, तो ये दृष्टि के लिए लाभकारी होगा।

एम पी ओ डीं की सांद्रता को- एज रिलेटेड

मैकुलर डीजनरेशन (ए आर एम डी) नामक घातक बीमारी से जोड़कर भी देखा जाता है। ए आर एम डी लगभग लाइलाज बीमारी है, जिसमें दृष्टि अत्यंत क्षीण हो जाती है और किन्हीं मामलों में दिखना बंद हो जाता है। अगर आप चाहें तो एम पी ओ डी की सांद्रता को जांचा जा सकता है और इसके आधार पर अपने भोजन में परिवर्तन कर और कुछ दवाओं के सहारे इस घातक बीमारी ए आर एम डी से बचा जा सकता है।

क्यों रहते हैं आपके हाथ-पैर ठंडे?

सर्दियों के मौसम में हाथ-पैरों का ठंडा होना सामान्य है। यूं भी ठंड का सामना करने की क्षमता हर व्यक्ति की अलग होती है। पर कुछ लोग हल्की-सी ठंड भी बर्दाश्त नहीं कर पाते। उनकी उंगलियां हर समय ठंडी रहती हैं। ऐसा होना कुछ और बातों की ओर भी इशारा करता है, जिन्हें समझना जरूरी है।

यूं तो सर्दियों के मौसम में हाथ व पैर ठंडे होना सामान्य बात है, पर कुछ लोग ठंड के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। ऐसे लोगों में ठंड ही नहीं, गर्मियों में भी तापमान में आयी थोड़ी सी कमी उंगलियों के ठंडे पड़ने का कारण बन जाती है। खासतौर पर महिलाएं इसकी अधिक शिकार होती हैं। हाथ व पैर ठंडे पड़ने या अधिक ठंड लगने के कई कारण हो सकते हैं। कई लोगों में इसके कारण बेहद सामान्य होते हैं, मसलन ठंड सहने की उनकी क्षमता, पानी कम पीना या बीपी कम होना। इसके अलावा यदि लंबाई के अनुपात में वजन काफी कम है तो भी संभव है कि आपको ठंड अधिक लगती हो। वजन अधिक कम होने का मतलब शरीर में वसा की कमी है, जिससे शरीर गर्म नहीं रह पाता। यह इस बात का भी संकेत है कि आप पर्याप्त मात्रा में नहीं खा रहे हैं। ऐसे लोग खान-पान में सुधार करके राहत पा सकते हैं।

इसके कुछ अन्य कारण भी हो सकते हैं। रक्त की आपूर्ति बाधित होने के कारण भी हाथ-पैर ठंडे पड़ने लगते हैं। हाथों का रंग सफेद, बैंगनी, संतरी व नीला पड़ने लगता है। कुछ देर उन्हें गर्माहट देने पर वे फिर से ठीक हो जाते हैं। अधिक ठंडे इलाकों में रहने वालों में यह समस्या अधिक देखने को मिलती है। अधिक तनाव की स्थिति में भी ऐसा होता है।

हृदय रोगों से जूझ रहे लोगों को भी ठंड अधिक लगती है। धमनियां संकुचित होने के कारण हाथ व पैर की उंगलियों तक रक्त का प्रवाह ढ़ंग से नहीं हो पाता। इसके अलावा गठिया के रोग से परेशान लोगों को भी सामान्य से अधिक ठंड लगती है।

बाहर की ठंडी हवा हमारे फ्लूड सकुर्लेशन को प्रभावित करती है, जिससे हाथ व पैर ठंडे होना सामान्य है। जिन लोगों को ये समस्या अधिक रहती है, उन्हें शुरुआत से खान-पान का ध्यान रखना चाहिए। आयुर्वेद में त्रिकुटि, पिपली चूर्ण और अश्वगंधा के सेवन से अधिक ठंड लगने की परेशानी में राहत मिलती है। खान-पान में गर्म तासीर वाली चीजों का सेवन करना चाहिए, पर इसका मतलब यह नहीं कि आप अधिक मात्रा में चाय व कॉफी पिएं। मात्र दस्ताने व जुराबें पहन कर बैठे रहना सही नहीं है। अपनी जीवनशैली को सुधारना भी जरूरी है। धूम्रपान का सेवन न करें। कैफीनयुक्त चीजों से परहेज करें। अधिक तंग कपड़े व जूते न पहनें। नियमित व्यायाम से भी रक्तसंचार सही रहता है। खासतौर पर प्राणायाम व गहरे श्वास का अभ्यास करना शरीर में ऊर्जा भरता है।

खान-पान में इन्हें करें शामिल

आयुर्वेद के अनुसार, सर्दी खान-पान की दृष्टि से सबसे अच्छा मौसम है। कई तरह के मसाले, जड़ी-बूटियां व मौसमी फल-सब्जियां हैं, जिन्हें डाइट में शामिल करना ठंड में राहत देता है।

लहसुन

एंटीवायरल गुणों से भरपूर लहसुन की कली को कच्चा चबाना फायदेमंद है।

आंवला

इसमें विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो कोशिकाओं को क्षतग्रिस्त होने से बचाते हैं। पाचन में लाभकारी होने के साथ-साथ यह शरीर को सभी तरह के पोषण को ग्रहण करने में सक्षम बनाता है।

शहद

एंटी बैक्टीरियल गुणों से भरपूर है। मौसमी बुखार व संक्रमण को दूर रखने में सहायता मिलती है। शरीर को ऊर्जा देता है।

ये भी हैं ठंड के कारण

शरीर में आयरन की कमी

लाल रक्त कोशिकाओं को पूरे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने के अलावा शरीर के विभिन्न हिस्सों से ऊष्मा और पोषक तत्वों को लाने-पहुंचाने में आयरन की अहम भूमिका होती है। आयरन की कमी का सीधा मतलब यह है कि शरीर अपने ये सभी काम सुचारू रूप से कर पाने में सफल नहीं हो पाएगा। आयरन की इस कमी के कारण कपकपी भी आती है। इसके अलावा आयरन की कमी से थाइरॉएड ग्लैंड का स्राव भी प्रभावित होता है, जो ठंड लगने का एक और कारण है।

शरीर में आयरन की इस कमी को दूर करने में आयरन सप्लीमेंट के साथ डाइट पर ध्यान देना जरूरी है। मीट, अंडा, हरी पत्तेदार सब्जियां और सी-फूड आदि पदार्थों को डाइट में शामिल करें।

दवाओं का असर

कई दवाएं हैं, जिनका लंबे समय तक सेवन धमनियों को सकुचित कर सकता है। इससे रक्त संचार में समस्या आती है और हाथ-पैर ठंडे होने लगते हैं। खासतौर पर केमस्टि की दुकान से बिना डॉक्टरी सलाह के दवा लेते समय इसका ध्यान रखें।

रक्तसंचार है कमजोर

सामान्य तापमान पर भी हाथ व पैर का बहुत ठंडा रहना रक्त संचार में समस्या का संकेत हो सकता है, जिससे खून सही ढ़ंग से हाथ व पैरों तक नहीं पहुंच पाता। ऐसा धमनियों में किसी तरह की ब्लॉकेज के कारण हो सकता है या फिर जब दिल खून को ठीक तरीके से पंप न कर पा रहा हो। अगर आप धूम्रपान करते हैं तो भी रक्तसंचार से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं। रेनॉड्स बीमारी की वजह से भी ज्यादा ठंड लगती है। इस बीमारी में तापमान में जरा-सी गिरावट पर हाथ और पैर की रक्त वाहिनियां कुछ देर के लिए अपने-आप सिकुड़ जाती हैं। उनके रंग में भी अंतर दिखता है। लंबे समय तक हाथ-पैर ठंडे होने की परेशानी को अनदेखा न करें। रक्तचाप कम होने पर भी हाथ और पैर ठंडे रहते हैं। शरीर में पानी व खून की कमी, पेट की अनियमितता व कुछ दवाओं का असर इसका कारण हो सकता है।

विटामिन बी12 की कमी

विटामिन बी12 शरीर के तापमान को नियंत्रित रखने के लिए महत्वपूर्ण है। हमारे शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं को बनाने का काम विटामिन बी12 ही करता है। इसकी कमी होने पर पूरे शरीर में ऑक्सीजन की पूर्ति नहीं हो पाती। परिणामस्वरूप अधिक ठंड लगती रहती है। शरीर में विटामिन बी12 की कमी का मुख्य कारण संतुलित आहार की कमी है। आमतौर पर यह जानवरों से प्राप्त होने वाले खाद्य पदार्थों में अधिक होता है। इसकी कमी को दूर करने के लिए डाइट में मीट, मछली और दूध से बने प्रोडक्ट्स शामिल करें। एक टेस्ट के जरिए शरीर में इसकी कमी को जांचा जा सकता है।

थाइरॉएड का असर

जब थाइरॉएड ग्रंथि पर्याप्त मात्रा में थाइरॉएड हार्मोन का स्राव नहीं करती तो शरीर का मेटाबॉलज्मि धीमा पड़ने लगता है, जिससे शरीर पर्याप्त मात्रा में ऊष्मा उत्पन्न नहीं करता। थाइरॉएड हार्मोन का स्राव कम होने को हाइपोथाइरॉएडज्मि कहते हैं। बालों का तेजी से गिरना, रूखी त्वचा, तेजी से वजन बढ़ना और ज्यादा थकान इसके लक्षण हैं।

तनाव और बेचैनी

तनाव की अधिकता पूरे शरीर पर असर डालती है। हाथ और पैर भी इसके असर से बच नहीं पाते। कई बार हाथ-पैर बहुत ठंडे रहते हैं तो कई बार हाथों से अधिक पसीना आता है। लंबे समय तक नींद की कमी के कारण भी पूरा शरीर सामान्य तरीके से काम करना बंद कर देता है। विभिन्न अध्ययनों के मुताबिक नींद की कमी के कारण हमारे मस्तिष्क के उस हिस्से की कार्यक्षमता कमजोर हो जाती है, जो शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है। अपनी नींद के साथ किसी भी तरह का समझौता न करें। सात से आठ घंटे की नींद अवश्य लें।

तेजपत्ता दूर करें बालों की समस्याएं

तेजपत्ता भारतीय व्यंजनों की शान माना जाता हैं। यह भारतीय व्यंजनों में स्वाद के तके को दुगुना कर देता हैं। इसमें फ्लेवोनॉइ्स, एंटी-ऑक्सीडेंट, आवश्यक तेल और टैनिन भरपूर मात्रा में होते हैं। इसके अतिरिक्त तेजपत्ता में जीवाणुरोधी, एंटी-इंफ्लामेंट्री और मूत्रवर्धक गुण होते हैं। यदि आप बालों या त्वचा की समस्या से परेशान हैं तो तेजपत्ता आप की मदद कर सकता हैं।

रूसी भगाएं

तेजपत्ता की सूखी पत्तियों को पीस कर पाउडर बना लें और इस पाउडर को दही में मिला लें। इस मिश्रण को सिर की त्वचा पर अच्छे से लगाने के बाद सिर धो लें। इससे रूसी निकल जाएगी। आप सिर में खुजली की समस्या के लिए भी यही नुस्खा आजमा सकते हैं।

बालों को चमकाए

यदि आप अपने बालों की रौनक बढ़ाना चाहते हैं तो तेजपत्ता आप के काम आ सकता हैं। कुछ पत्तों को पानी में उबाल ले। पानी ठंडा होने के बाद इस से बालों को धोए। बाल चमकदार बन जाएंगे। इस पानी के प्रयोग से बालों की चिपचिपाहट भी दूर हो जाएगी।

जूएं मारे

अगर आपके बालों में बहुत सारे जूएं हो गई हैं तो तेजपत्ते की पत्तियों का पाउडर बना कर उसका पानी के साथ लेप बना ले। अब इस लेप को सिर पर लगाने के बाद सिर धो ले। जुएं मर जाएगें।

त्वचा में निखार

यदि आपकी त्वचा में रूखापन हैं तो आप तेजपत्ता का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसकी कुछ पत्तियों को लेकर पानी में उबाल ले। अब इस पानी से मुंह धोए। चेहरे में दमक आ जाएगी।

मुहासों से छुटकारा

चेहरे पर ज्यादा दाने या मुहांसे होने पर तेजपत्ता डालकर पानी उबाल लें, इस पानी के ठंडे होने पर इससे चेहरे को दिन में दो बार धो ले। इस तरह, चेहरा साफ-सुथरा और चमकदार हो जाएगा।

तकनीक से खत्म होगा मलेरिया...

दुनिया भर में मलेरिया से हर साल करोड़ों लोग प्रभावित होते हैं। इनमें से लाखों लोगों की मौत हो जाती है। पिछले कई दशकों से इसे समग्रता से खत्म करने पर शोध जारी है। जीन ड्राइव जैसी तकनीक की मदद से वैज्ञानिकों ने एक अहम उपलब्धि हासिल की है, जिससे मलेरिया को खत्म किया जा सकेगा।

जेनेटिकली मॉडिफाइड मच्छरों से अगले कुछ सालों में मलेरिया को काबू में किया जा सकेगा। जीन-एडिटिंग के इस्तेमाल से शोधकर्ताओं ने मच्छरों के मलेरिया-रोधी प्रारूप की ब्रीडिंग में कामयाबी हासिल की है। हालांकि, इस सिलसिले में कई सालों से रिसर्च जारी है। पहली बार वैज्ञानिक मच्छरों को बांझ बनाने में कामयाब हुए, जिसके माध्यम से उनकी ब्रीडिंग को पूरी तरह रोका जा सकता है।

कारगर तकनीक

दुनिया के अनेक देशों में इस बीमारी के संक्रमण से सालाना 20 करोड़ लोग प्रभावित होते हैं। इनमें से चार से पांच लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। लेकिन, इस नई ईजाद की गई तकनीक से वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि इसे प्रभावी तरीके से रोका जा सकता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक पिछले करीब 100 सालों से मलेरिया को नियंत्रित करने पर जोर दिया जा रहा है। उन्हें उम्मीद है कि यह तकनीक इसे नियंत्रित करने में सक्षम होगी, क्योंकि अगले कुछ सालों में यह तेजी से मच्छरों की आबादी को खत्म कर देगा। सामान्य रूप से प्रत्येक जीन संस्करण में मच्छरों की एक जेनरेशन को कम से कम 50 फीसदी तक कम करने की क्षमता होती है। वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध परीक्षण में पाया गया कि बांझ बनाने वाले जीन को नर और मादा दोनों प्रकार के मच्छरों में 99 फीसदी तक ट्रांसमिट किया जा सकता है। इसमें रिसेसीव जीन्स तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिससे ज्यादातर मच्छर अपने पूर्वजों से जीन की महज एक कॉपी हासिल कर पाएंगे। इससे मच्छरों के बांझपन का दायरा बढ़ता जाएगा। पहली बार मच्छरों की एनोफील्स गैंबी प्रजाति में इस तकनीक का इस्तेमाल किया गया। वैज्ञानिकों ने तीन विभिन्न फर्टिलिटी जीन्स को टारगेट किया और जीन ड्राइव के जरिये मच्छरों को कैसे ज्यादा प्रभावित किया जा सकता है, इसका परीक्षण किया।

जेनेटिक कोड का डिजाइन

रिसर्च के मुताबिक दुनिया भर में मच्छरों की करीब 3,400 विभिन्न प्रजातियां हैं। इनमें एनोफील्स गैंबिया मलेरिया का सबसे बड़ा वाहक है, जो अफ्रीका में मच्छरों की 800 से ज्यादा प्रजातियों में पाई जाती है। जीन ड्राइव के परीक्षण के लिए वैज्ञानिकों की टीम ने पहले उन तीन जीन्स को पहचाना, जो मादा मच्छरों की प्रजनन क्षमता को प्रभावित करते हैं। खास प्रकार के सीआरआरएसपीआर/ सीएएस 9 एंडोन्यूक्लियस जीन्स के साथ उसे मॉडिफाइड किया, जो एक प्रकार का डीएनए कटिंग टूल्स है और इससे जेनेटिक कोड के खास हिस्सों को डिजाइन किया जाता है। जब क्रोमोजोम्स इन मॉडिफाइड जीन्स को कैरी करता है, तो इससे बनने वाला एंजाइम खास हिस्से को काट देता है। ऐसा होने पर म्यूटेड यानी उत्परिवर्तित मच्छर सामान्य मच्छरों में मलेरिया-रोधी जीन्स को 99 फीसदी तक फैलाने में सफल होंगे, जिससे उनकी प्रजनन क्षमता खत्म हो जाएगी।

रेसिपी

मशरूम रोल

कितने लोगों के लिए 2

सामग्री

6-7 मशरूम, 1/2 कप ब्रेड का चूरा, 2 टेबल स्पून कार्नफ्लोर, 2 टेबल स्पून बेसन, 1/4 टी स्पून लाल मिर्च पाउडर, स्वादानुसार नमक, 1 टी स्पून अदरक पेस्ट, 1 टेबल स्पून हरी धनिया बारीक कटी हुई

विधि

सबसे पहले कॉर्नफ्लोर और बेसन में जरूरत भर पानी डालकर अच्छी तरह घोल लें। ध्यान रहे गुठलियां न बनने पाएं। घोल इतना गाढ़ा होना चाहिए कि मशरूम के ऊपर कोटिंग अच्छी तरह हो जाए। सारे मशरूम को अच्छी तरह गीले कपड़े से पोंछ कर दो हिस्से में काट लें। कड़ाही में तेल गर्म करें। अब एक-एक मशरूम उठाकर घोल में डालें। फिर घोल से मशरूम निकाल कर ब्रेड क्रम्ब्स में लपेटें। किसी प्लेट में रख लें। सारे मशरूम के टुकड़े इसी तरह घोल और ब्रेड के चूरे में लपेटकर प्लेट में लगाकर रख लें। गर्म तेल में एक-एक करके ब्रेड क्रम्ब्स में मशरूम लपेट कर सुनहरा तल लें। गरमागरम क्रिस्पी मशरूम बोंडा तैयार है। ऊपर से चाट मसाला और हरी धनिया की चटनी या टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

बेसनी कचौड़ी

कितने लोगों के लिए 8

सामग्री

600 ग्राम मैदा, 250 ग्राम बेसन, एक चम्मच लाल मिर्च, एक चुटकी हींग, नमक स्वादानुसार, तलने के लिए घी।

विधि

500 ग्राम मैदा रोटी के आटे की तरह गूंध लें। बेसन में नमक, हींग, मिर्च डालकर मैदा की तरह गूंध लें। मैदा की लोई बनाकर इसमें बेसन कचौड़ी की तरह भर लें। टिकिया को बची मैदा का पलोथन अच्छी तरह लगा-लगाकर पतली बेल लें। जितनी पतली बेलेंगी उतनी ही अच्छी होगी। कड़ाही में घी खूब गर्म करके उसमें कचौड़ी डालें। डालते ही यह फूल जाएगी। यदि कुछ कम फूले तो उलटने से फूल जाएगी। अच्छी तरह सिकजाए तो उसे घी से निकाल लें। इसे अचार के साथ सर्व करें। यह कचौड़ी आठ दिन तक खराब नहीं होती।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**